श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 167 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, मंगलवार 5 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भीषण सड़क हादसा : बस पलटी, तीन की मौत, 30 यात्री घायल

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक प्राइवेट बस ओवरटेक करने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में बस पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 से अधिक यात्री घायल है। यह घटना मंगलवार की सुबह करीब 7:30 बजे की बताई जाती है। जानकारी के अनुसार बस पर सवार यात्री दिल्ली से बस्ती और सिद्धार्थ नगर के लिए जा रहे थे।

अयोध्या में कैंट थाना क्षेत्र के मुमताज नगर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसा हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत होने की पुष्टि हुई है। जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हैं। इनमें से करीब 12 लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि अन्य यात्रियों का प्रारंभिक इलाज करने के बाद छुट्टी दे दी गई है। मृतकों में दो की पहचान नहीं हो सकी है। जबकि एक की पहचान रमेश 35 वर्ष निवासी सिद्धार्थनगर के रूप में हुई है।

दो अन्य मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। गंभीर रूप से घायलों में पंचम राय, प्रवीण कुमार, अंशिका, ऋषि गुप्ता, ऋषभ त्रिपाठी, अनीता, तारा देवी, ओम कुमार और बीसू शामिल है । घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी नीतीश कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे ने घटनास्थल और जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बेहतर इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

भाजपा अफवाह फैलाने की मशीन, जिला बनाने पर हो रही तकलीफ-सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले के खैरागढ़ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपनी ताकत झोंक दी हैं। कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव साख का सवाल बन गया है। जीत के लिए इस क्षेत्र में कांग्रेस के मंत्री, पीसीसी चीफ और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता गांव-गांव जाकर प्रचार कर रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी खैरागढ़ विधानसभा सीट के लिए प्रचार किया है और कांग्रेस के पक्ष में वोट करने की अपील की है।

बघेल ने भाजपा पर साधा निशाना

सीएम ने यहां बकरकट्टा, साल्हेवारा, पैलीमेटा गांव में कांग्रेस प्रत्याशी यशोदा वर्मा के लिए प्रचार किया। सीएम की जनसभा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके बाद अलग-अलग जगहों में सीएम ने पत्रकारों से चर्चा की और भाजपा पर जमकर निशान साधा। खैरागढ़ को जिला बनाने की मांग पर सीएम भूपेश ने कहा है कि अटल जी ने कहा था कि 11 लोकसभा सीट जिताओ, छत्तीसगढ़ बनाऊंगा, वो सौदेबाजी नहीं था। अब भाजपा के लोगों को तकलीफ हो रही है।

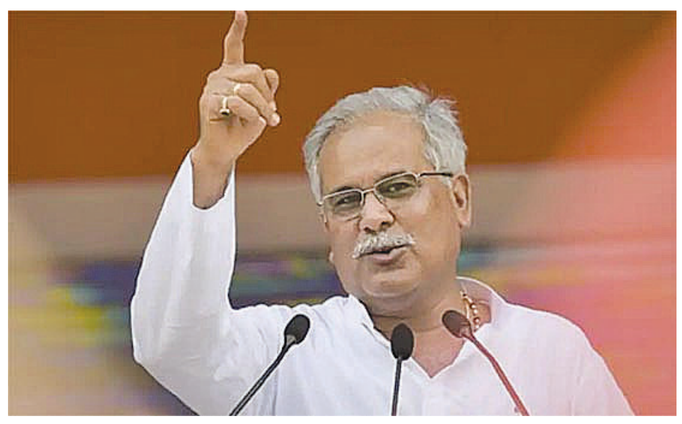

उन्होंने कहा कि रमन सिंह पिछले 15 सालों तक सत्ता में रहे, लेकिन खैरागढ़ को जिला नहीं बनाया। अब हम ये काम कर रहे तो इन लोगों को तकलीफ क्यों हो रही है। सीएम ने कहा कि भाजपा अफवाह फैलाने की मशीन है। हमने ये कहा है कि यदि कांग्रेस प्रत्याशी की जीत होगी तो 24 घंटे में जिला बनाएंगे। हमने ये नहीं कहा है कि जिताएंगे तब ही बनाएंगे।

रमन सिंह ने जिले की मांग कर रहे लोगों को पिटवाया

भूपेश बघेल ने कहा कि रमन सिंह ने हमेशा से खैरागढ़ की उपेक्षा की है। उन्होंने जो लोग जिला बनाने के लिए आंदोलन कर रहे थे, उन्हें पिटवाया भी था। उन्हें जेल में भी बंद कराया। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा के नेता दूसरे प्रदेश के मुख्यमंत्री और नेताओं को यहां बुला रहे हैं तो इसका मतलब ये है की भाजपा ने हार मान ली है।

डीहाइड्रेशन के शिकार हुए खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, प्रचार छोड़ रायपुर लौटे

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में खैरागढ़ उप चुनाव में प्रचार के दौरान खाद्य मंत्री अमरजीत भगत की तबीयत बिगड़ गई। 42 डिग्री पारा में जनसंपर्क के दौरान वे डीहाइड्रेशन का शिकार हो गए। प्रचार अभियान रोककर उन्हें रायपुर लाया गया। डॉक्टर उनका घर में उपचार कर रहे हैं। डॉक्टरों ने उन्हें कम्प्लीट बेडरेस्ट की सलाह दी है। वहीं मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि वे स्वस्थ होकर जल्द ही चुनाव कार्यक्रमों में शामिल होने खैरागढ़ जाएंगे।

बता दें कि खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। लगातार राजनीतिक बैठकों और चुनावी सभाओं का दौर चल रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ मोहन मरकाम सहित प्रदेश के मंत्रियों व कांग्रेस विधायक खैरागढ़ पहुंचकर बूथ स्तर पर कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने मेहनत कर रहे हैं। कैबिनेट मंत्री व राजनांदगांव के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत भी चुनावी दौरे पर थे। प्रचार के दौरान भगत की सेहत बिगड़ गई। तबीयत अधिक खराब होने की वजह से कार्यक्रम रद्द कर करना पड़ा।

नवरात्रि उपवास के बीच 42 डिग्री तापमान में प्रचार

मंत्री का उपचार कर रहे डॉक्टर्स ने बताया कि नवरात्रि उपवास और 42 डिग्री चिलमिलाती धूप में भगत अपने प्रभार क्षेत्र में उपचुनाव में व्यस्त थे। गर्मी और उपवास के कारण मंत्री भगत को डिहाइड्रेशन हो गया। निजी डॉक्टरों की देख-रेख में उनका उपचार निवास में ही किया जा रहा है, जहां डॉक्टरों ने उन्हें कम्प्लीट बेडरेस्ट की सलाह दी है। मंत्री भगत ने कहा कि वे स्वस्थ होकर जल्द ही चुनाव कार्यक्रमों में शामिल होंगे। बता दें कि गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के पास प्रचार अभियान की जिम्मेदारी है।

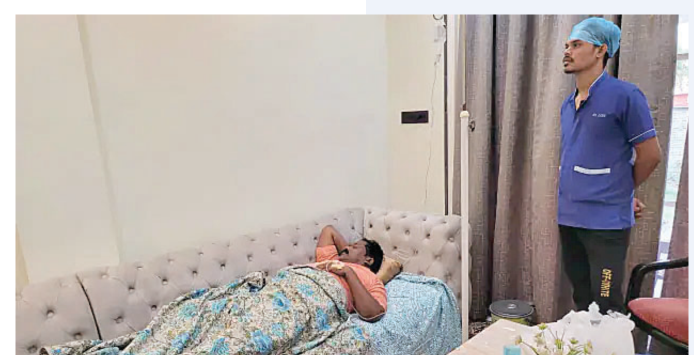

यूक्रेन में मौत और मातमः तबाह हो चुके शहरों में मिल रहे लाशों के पहाड़, जहां रहे रूसी सैनिक वहां छोड़ गए एक भयानक मंजर

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन कभी एक खूबसूरत देश था। लेकिन पिछले डेढ़ महीने में इस शहर की तस्वीर बदल चुकी है। अब यह शहर दर्द, चीख, मौत और सन्नाटे के लिए जाना जाता है। रूस ने इस शहर को इतनी यातनाएं दी हैं, जो सालों तक यूक्रेनवासियों के जेहन से निकालें नहीं निकलेंगी। खंडहर हो चुके शहर इसके साथ हुई बर्बरता का जीता-जागता उदाहरण बन चुके हैं। यहां से नरसंहार की वह तस्वीरें सामने आ रही हैं, जो लाशों का पहाड़ बनाती हैं।

बूचा नरसंहार और लाशों का पहाड़

यूक्रेन में चल रही जंग की अब तक की सबसे भयानक तस्वीर है बूचा नरसंहार। रूसी सैनिकों के जाने के बाद यहां एक साथ 410 से ज्यादा लाशें मिली। इन लोगों को मारने से पहले इनके साथ जो बर्बरता की गई उसे जानकर कोई भी सिहर उठेगा। खबरों के मुताबिक, बूचा में हुए नरसंहार में ज्यादातर लाशों के हाथ बंधे हुए थे और उनके माथे पर गोली मारी गई थी। यानि, मारने से पहले उनके हाथ बांधकर उन्हें यातनाएं दी गई थीं। अब इन लाशों को दफ्नाने के लिए 45 फीट लंबी कब्र कीव में खोदी गई है।

हत्यारे, बलात्कारी और लुटेरे

इस नरसंहार के लिए यूक्रेन रूस को आरोपी ठहरा रहा है। बूचा से यह तस्वीर सामने आने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी सैनिकों को हत्यारा बताया है। उन्होंने कहा रूसी सैनिक हत्यारे हैं। बलात्कारी हैं। लुटेरे हैं। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि रूसी सैनिक जिन शहरों को छोड़कर जा रहे हैं, वे उसके पीछे एक भयानक मंजर छोड़ते जा रहे हैं। ज्यादातर लाशें वहां मिल रही हैं, जिन इलाकों को रूसी सैनिकों ने अपना अड्डा बनाया था।

मैरियूपोल बन गया खंडहर

जंग में रूस ने यूक्रेन के कई शहरों को नुकसान पहुंचाया है। अधिकतर इमारतें तबाह हो चुकी हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा नुकसान पोर्ट सिटी मैरियूपोल को हुआ है। यहां के मेयर क कहना है कि रूसी हमलों में मैरियूपोल 90 प्रतिशत तबाह हो चुका है। इस शहर पर कब्जे के लिए अभी भी रूस और यूक्रेन के सैनिकों के बीच भारी गोलीबारी हो रही है

हाईकोर्ट का आदेश, फिर से होगा नीट का स्टेट लेवल मॉप अप राउण्ड मेरिट आधार पर मिले दाखिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मेडिकल कॉलेजों मे दाखिले को लेकर की गई काउंसिलिंग पर अहम फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने मेडिकल कॉलेजों में NEET के स्टेट लेवल पर आयोजित Mop Up Round को निरस्त कर कर दिया है। हाईकोर्ट ने आदेश में कहा है कि मेरिट आधार पर स्टूडेंट्स को प्रवेश दिया जाए। कोर्ट ने याचिकाकर्ता दो स्टूडेंट्स को Mop Up Round शामिल करने का आदेश दिया है।

बिलासपुर की स्टूडेंट्स राधिका मंगतानी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनके वकील हर्षमंदर रस्तोगी ने तत्काल सुनवाई का आग्रह किया था। स्टूडेंट्स के भविष्य को ध्यान में रखते हुए रविवार को छुट्टी के बाद भी हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई हुई थी। जस्टिस गौतम भादुड़ी व जस्टिस एनके चंद्रवंशी की अदालत सभी पक्षों को सुनने के बाद सोमवार को फिर सुनवाई की तिथि तय की गई थी। आज सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने 5 तारीख से नए सिरे से एडमिशन के लिए Mop Up Round कराने का आदेश दिया है।

तीसरे राउंड में शामिल नहीं करने पर याचिका

राधिका मंगतानी ने याचिका में बताया था कि वह नीट 2021 की परीक्षा में शामिल हुईं थी, जिसमें उन्हें 915 वीं रैंक मिली। NEET Counselling की पहली राउंड में वह शामिल हुईं। पहले राउंड में उसे दाखिला नहीं मिला। दूसरे राउंड में वह शामिल नहीं हो पाईं। इसके बाद तीसरा राउंड शनिवार को होना था। छात्रा का आरोप है कि वह तीसरे राउंड के लिए गई, लेकिन उसे शामिल नहीं किया गया। इसे लेकर राधिका ने शनिवार को अपने वकील हर्षमंदर रस्तोगी के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। छात्रा का आरोप था कि कम अंक पाने वालों को दाखिला दे दिया गया है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता स्टूडेंट्स को तीसरे Mop Up Round शामिल करने का आदेश दिया है।

मेरिट में आधार पर छात्र को दिया जाए दाखिला

छात्र मयंक कुमार पांडेय ने अपने अधिवक्ता दीक्षा गौरहा के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें बताया गया कि पहले दौर के काउंसिलिंग में शामिल हुआ था, लेकिन उसका दाखिला नहीं हो पाया। सेकेंड राउंड की काउंसिलिंग के लिए अलाटमेंट लिस्ट में उसका नाम नहीं था। रात में दोबारा नई लिस्ट जारी की गई, जिसमें उसका नाम आया, लेकिन इसकी सूचना नहीं नहीं मिल पायी। थर्ड राउंड की काउंसिलिंग में उसे इस बात की जानकारी हुई। हाईकोर्ट ने उसकी याचिका को भी स्वीकार करते मेरिट के आधार पर Mop Up Round में शामिल करने का आदेश दिया है।

मैत्रीबाग : जंगल के राजा शेर को राहत

भिलाई। चिलचिलाती गर्मी और तेज धूप ने अप्रैल में अपने तेवर और तेज कर दिए हैं। अप्रैल की शुरुआत से ही पारा सामान्य से 3-4 डिग्री अधिक तक पहुंच रहा है। इसी कारण भिलाई के मैत्रीबाग में भी जू के जानवरों को राहत पहुंचाने प्रबंधन ने सारे इंतेजाम कर रखें है। वनराज को राहत मिले इसके केज के चारों ओर पानी भरा गया, ताकि चिलचिलाती गर्मी में ठंडक महसूस हो सके। वहीं शहर का तापमान 41-42 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार हवा की दिशा में बदलाव होने जा रहा है। हालांकि इसके असर से तापमान में ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन अप्रैल के शुरुआती दिनों से ही तेज गर्मी की वजह से लोग पूरे महीने पडने वाली गर्मी का अंदाजा लगा रहे हैं।

हेडमास्टर ने भेजा आपत्तिजनक मैसेज, समुदाय विशेष पर टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक हेडमास्टर को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि शिक्षक ने बच्चों के व्हाट्सएप ग्रुप पर एक आपत्तिजनक मैसेज भेजा। यह मैसेज धर्म विशेष की भावनाओं को चोट पहुंचाने वाला था। इसके बाद परिजनों की शिकायत पर हेडमास्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि, महामाया कॉलोनी निवासी राजेश दुबे कुदुदंड के गवर्नमेंट मिडिल स्कूल के हेड मास्टर हैं। कोरोनाकाल में बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाने के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया था। दो दिन पहले इस ग्रुप पर राजेश दुबे ने धर्म विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक मैसेज भेज दिया। इसके बाद सोमवार को मामला सिविल लाइन थाने पहुंच गया।

परिजनों ने की शिकायत

बताया जा रहा है कि, हेडमास्टर व अन्य शिक्षकों के बीच विवाद चल रहा है। व्हाट्सएप ग्रुप पर मैसेज देखने के बाद अन्य शिक्षकों ने परिजनों से संपर्क किया। इसके बाद परिजन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। हेडमास्टर पुलिस के सामने परिजन से माफी मांगता रहा, लेकिन इसके बावजूद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस हाईकमान ने साध लिया मध्य प्रदेश का संकट? कमलनाथ ही होंगे 2023 में पार्टी के 'नाथ'

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के आगामी चुनाव के लिए कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की आशंकाओं के बादल छंट गए हैं। पार्टी नेताओं ने एक बार फिर कमलनाथ में अपना भरोसा जताया है। इसके साथ ही तय हो गया है कि मध्य प्रदेश में 2023 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस कमलनाथ के नेतृत्व में ही लड़ेगी। सोमवार शाम को इस बारे में कमलनाथ के निवास पर इस बारे में चार घंटे तक मीटिंग के बाद यह फैसला लिया गया। इसके साथ ही पिछले कुछ समय से मध्य प्रदेश कांग्रेस में दरार को लेकर उठ रही खबरों पर भी विराम लग गया है।

एक अन्य नेता के मुताबिक इस दौरान कमलनाथ ने चुनाव में जीत के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समर्थन की जरूरत बताई। साथ ही उन्होंने असंतुष्ट नेताओं की शिकायतें भी दूर कीं। कांग्रेस विधायक गोविंद सिंह ने कहाकि पार्टी नेताओं के बीच दरार की खबरें पूरी तरह से झूठी हैं। हम सभी ने कमलनाथ जी को आश्वस्त किया है कि हम एक हैं और उन्हें 2023 चुनाव में कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में देखना चाहते हैं। मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए जीतू पटवारी ने कहाकि प्रदेश में आर्थिक अराजकता का माहौल है। वहीं सामाजिक तालमेल का भी अभाव है।

शामिल हुए वरिष्ठ नेता

इस मीटिंग में मध्य प्रदेश के तमाम वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शामिल हुए। इनमें अजय सिंह और अरुण यादव भी शामिल थे। गौरतलब है कि इन दोनों नेताओं ने पिछले महीने दिल्ली में सोनिया गांधी से मिलकर कमलनाथ की शिकायत की थी। दोनों ने आरोप लगाया था कि कमलनाथ उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। इसके अलावा राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक गोविंद सिंह और जीतू पटवारी आदि भी मीटिंग में मौजूद रहे। एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सभी ने कमलनाथ के नेतृत्व में विश्वास जताया। साथ ही उन्हें भरोसा दिलाया कि वह सभी 2023 का चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संपादकीय

चीन में बढ़ा संक्रमण

अभी कोरोना पीछा छोड़ने को तैयार नहीं है। दुनिया के ज्यादातर इलाकों में संक्रमण में कमी आई है, पर संपूर्ण राहत से हम अभी काफी दूर हैं। विडंबना देखिए, जब भारत में कुल 12,575 सक्रिय मामले हैं, तब चीन में प्रतिदिन 13,000 से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। चीन में संक्रमण न जाने किस ऊंचाई पर पहुंचने को बेताब है, मगर तारीफ करनी होगी कि उसने पूरी कड़ाई से इसके फैलाव को बहुत हद तक रोक रखा है। चीन में जो फैला है, वह एक नए प्रकार का ओमीक्रोन है, जबकि ऐसा लगता है कि भारत संक्रमण के शिकंजे से निकल आया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा है कि सोमवार को दैनिक नए संक्रमणों की संख्या 715 दिनों के बाद 1,000 अंक से नीचे आई है। साथ ही, 714 दिनों के अंतराल के बाद सक्रिय मामलों की संख्या 13,000 अंक से नीचे आई है। भारत में बीमारी से उबरने वालों की संख्या 4,24,95,089 से ज्यादा हो गई है। चीन जैसी अत्यधिक कड़ाई न करने के बावजूद दो साल बाद भारत राहत की सांस ले रहा है।

> हालांकि, दुनिया जान नहीं पाई है कि कोरोना कैसे, कहां पनपा, क्योंकि चीन ने एक अलग ही दुनिया में होने का एहसास दिलाया। गत मार्च तक उसने स्थानीय लॉकडाउन, सामूहिक परीक्षण और यात्रा प्रतिबंधों के साथ दैनिक मामलों को सफलतापूर्वक तिहरे अंकों तक नीचे रखा था। लेकिन संक्रमण के चलते जब शंघाई की सड़कें सूनी पड़ी हैं, तब भारत को सावधान रहते चीन के अनुभव से भी सीखना चाहिए।

मौजूदा संक्रमण की लहर और लगे कड़े प्रतिबंधों के बीच चीनी नागरिकों के धैर्य की परीक्षा हो रही है। ध्यान रहे, यह ऐसा समय है, जब दुनिया का अधिकांश हिस्सा फिर से खुल गया है, पर चीन के अनेक शहरों में आंशिक या संपूर्ण लॉकडाउन की स्थिति है। चीन लॉकडाउन में ढील देकर पश्चिमी देशों की तरह कोताही नहीं करना चाहता है। वहां काम भी बाधित हुआ है और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, यह अच्छी बात है कि मौतों की संख्या नियंत्रित है। चीन के लगभग 70 प्रतिशत मामले अकेले शंघाई शहर में हैं, लगभग ढाई करोड़ लोगों की आनन-फानन में जांच की गई है। चीनी सरकार की कोशिश है कि संक्रमण पर जल्द से जल्द काबू किया जाए। अकेले शंघाई में 8,000 से ज्यादा संक्रमित हैं, चीन रोकथाम के लिए अपने नागरिकों की युद्ध स्तर पर कोरोना जांच कर रहा है। एक अनुमान के अनुसार, शंघाई में ही ढाई करोड़ से ज्यादा लोग क्वारंटीन हैं। सान्या शहर में कोविड के प्रसार को रोकने के लिए सभी परिवहन माध्यमों को निलंबित कर दिया गया है। शुरू में सिर्फ चार दिनों तक लॉकडाउन चलने की योजना थी, लेकिन इसका समय निरंतर बढ़ रहा है। ताजा भोजन की कमी होने लगी है।

चीनी अधिकारी इसलिए भी सख्ती बरत रहे हैं, क्योंकि चीन ने लंबे समय तक शून्य कोविड रणनीति का सफल प्रयोग किया था। किसी समय चीन दुनिया के पीड़ित देशों को नसीहत देता था। कुछ देशों में संक्रमण का चीन ने मखौल भी बनाया था। सुरक्षित व स्वस्थ चीन के कई वीडियो दुनिया भर में प्रसारित-प्रचारित किए गए थे। चीन को आदर्श माना जाता था कि उसने अपने यहां कोविड को फैलने नहीं दिया, पर ताजा संक्रमणों ने चीन के दामन पर दाग लगा दिए हैं। हम कैसे भूल जाएं, चीन ही वह देश है, जहां 2019 के अंत में वुहान में पहली बार कोरोना वायरस का पता चला था। हालांकि, दुनिया जान नहीं पाई है कि कोरोना कैसे, कहां पनपा, क्योंकि चीन ने एक अलग ही दुनिया में होने का एहसास दिलाया। गत मार्च तक उसने स्थानीय लॉकडाउन, सामूहिक परीक्षण और यात्रा प्रतिबंधों के साथ दैनिक मामलों को सफलतापूर्वक तिहरे अंकों तक नीचे रखा था। लेकिन संक्रमण के चलते जब शंघाई की सड़कें सूनी पड़ी हैं, तब भारत को सावधान रहते चीन के अनुभव से भी सीखना चाहिए।

पाक क्यों बने किसी का पायदान?

इमरान खान के इस दावे पर उनके विरोधी हंस रहे हैं कि अमेरिका उन्हें उनके प्रधानमंत्री पद से हटाने की कोशिश कर रहा है लेकिन यह सच है कि अमेरिका दुनिया के सभी देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस-विरोधी रवैया अपनाएं। इसका सबसे पुख्ता प्रमाण तो अमेरिका के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीपसिंह की भारत-यात्रा है। भारतीय मूल के इस अधिकारी को दिल्ली क्यों भेजा गया है? इसीलिए कि वह भारत सरकार पर दबाव डाले यूक्रेन के मामले में! उसने कोई कसर नहीं छोड़ी।

उसने हमारे विदेश मंत्री जयशंकर को कह दिया कि यदि आप अमेरिका का समर्थन नहीं करेंगे तो उसके दुष्परिणाम होंगे। उसने यह डर भी दिखाया कि अगर चीन ने भारत पर हमला कर दिया तो रूस बचाने वाला नहीं है। जयशंकर को चाहिए था कि वे दलीपसिंह से पूछते कि क्या अमेरिका यूक्रेन को बचा रहा है? उसे अमेरिका ने पानी पर चढ़ाकर अकेले मरने को छोड़ रखा है। अमेरिका ने पाकिस्तान को अपना दुमछल्ला बनाकर कई दशकों तक अधर में लटकाए रखा। उसे सोवियत संघ और भारत के खिलाफ भड़काता रहा लेकिन क्या 1965, 1971 और कारगिल के युद्धों में उसने पाकिस्तान का साथ दिया? बिल्कुल नहीं।

इसी बात को ध्यान में रखकर इमरान ने बिल्कुल ठीक कहा कि भारत की विदेश नीति एकदम सही रास्ते पर चल रही है और वे भी उसे स्वतंत्र रास्ते पर चलाना चाहते हैं। वे पाकिस्तान को किसी महाशक्ति का पायदान नहीं बनने देना चाहते हैं। उनके रूस जाने पर अमेरिका का भड़कना बिल्कुल अनुचित है। उनकी रूस-यात्रा यूक्रेन-विवाद के पहले ही तय हो चुकी थी। उन्होंने भी भारत की तरह न रूस का विरोध किया और न ही समर्थन ! इस रवैए से अमेरिका का नाराज़ होना स्वाभाविक है।

इसीलिए वाशिंगटन स्थित पाकिस्तानी राजदूत को एक अमेरिकी अफसर ने काफी जोर से हड़काया। इस्लामाबाद में अमेरिकी राजदूत ने भी इमरान को कोई चिट्ठी लिखी है। अब इमरान कह रहे हैं कि वे अमेरिकी साजिश की तहत हटाए जा रहे हैं। **-वेद प्रताप वैदिक**

> अपने नागरिकों के असंतोष का हल राजनीतिक इच्छाशक्ति और बातचीत के जरिये निकलना चाहिए। अपवाद स्वरूप यदि बल का प्रयोग करना ही पड़े, तो उसके लिए स्थानीय पुलिस सबसे बेहतर विकल्प है। इसके लिए उसके संख्या बल, उपकरणों और प्रशिक्षण में सुधार कर सेना की कमी पूरी की जा सकती है। पंजाब का जीता-जागता उदाहरण हमारे पास है, जहां जैसे ही पंजाब पुलिस ने लड़ना शुरू किया, पासा पलट गया।

अपनों पर न चले ताकत का जोर

विभूति नारायण राय,पूर्व आईपीएस अधिकारी

सोलह लंबे वर्षों तक भारत राष्ट्र ने एक परेशान करने वाली छवि लगातार देखी है, जिसमें अपने जीवन के तीसरे दशक में सफर कर रही एक युवती को सुरक्षा बल के जवान जबर्दस्ती गले में नली डालकर उसके पेट में कुछ तरल खाद्य पदार्थ डाल रहे हैं। यह युवती इरोम शर्मिला थीं, जिन्होंने मणिपुर की राजधानी इंफाल में हवाई अड्डे के नजदीक नवंबर 2000 में असम राइफल्स की एक टुकड़ी द्वारा की गई फायरिंग में 10 नागरिकों की मृत्यु के विरोध में भूख हड़ताल कर रखी थी। शुरुआत में तो फायरिंग और उससे हुई मौतों का विरोध था, पर जल्द ही इरोम की मुख्य मांग पूरी तरह से उस कानून को हटाने की बन गई, जिसके तहत सेना को गिरफ्तारियों, तलाशियों या नागरिकों पर फायरिंग जैसे अलोकतांत्रिक अधिकार हासिल हो गए थे। अगले 16 वर्षों तक यह अनशन चलता रहा और पूरी दुनिया में राज्य की ज्यादातियों के खिलाफ अहिंसक नागरिक प्रतिरोध का प्रतीक बन गया।

अफस्पा या सशस्त्र बल (विशेष शक्ति) अधिनियम 1958 में नगालैंड में, जो उस समय असम प्रांत का ही भाग था, हथियारबंद पृथकतावादी आंदोलन के चलते अस्तित्व में आया था और कुछ ही वर्षों में मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा से लेकर जम्मू-कश्मीर तक यह लागू हो गया। इसके बीज तो 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में ही पड़ गए थे, जब अंग्रेजों ने सेना को नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार दे दिया था। आजाद भारत में जब यह कानून बना, तब प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आश्वासन दिया था कि छह महीने के अंदर इसे हटा लिया जाएगा, पर 60 वर्षों के बाद भी यह अस्तित्व में बना हुआ है।

ऐसे कानूनों के बनने के कारण एक नए स्वतंत्र हुए भूभाग के राष्ट्र-राज्य बनने की जद्दोजहद में खोजे जा सकते हैं। 1947 में आजादी हासिल करने वाले देश के सामने सबसे बड़ी समस्या ही एक बहुभाषी, बहु-धार्मिक या बहु-सांस्कृतिक समाज को सही अर्थों में एक राष्ट्र-राज्य बनाने और फिर उसे एकजुट रखने की थी। ऐसे कठिन वक्त में जब कई क्षेत्रों में अलगाववादी शक्तियां पृथकतावादी आंदोलन चला रही थीं, लोकतंत्र समर्थक प्रधानमंत्री नेहरू को भी अफस्पा जैसे गैर-जनतांत्रिक कानून का सहारा लेना पड़ा था। दिक्कत तब आई, जब वादा करके भी छह महीने बाद इसे हटाया न जा सका। इसकी अवधि तो बढ़ती ही गई, नए-नए इलाके इसके प्रभाव क्षेत्र में आते गए। इस कानून के दुरुपयोग या इसके विरुद्ध जनाक्रोशों की छिटपुट खबरें तो लगातार छपती रहीं, पर यह भी कटु सच्चाई है कि इस महादेश में इन सुदूर अंचलों में घट रही ज्यादतियों पर हमारी आत्मा पर वैसे घाव नहीं दिखे, जिनकी किसी सभ्य समाज में अपेक्षा की जा सकती थी। इसीलिए जब 9 अगस्त, 2016 को इरोम शर्मिला ने अपना अनशन अचानक खत्म किया, तो इसके पीछे उनके द्वारा बताए गए कारणों में एक सरकार की उपेक्षा थी। वह निराश थीं कि उनका अनशन व अफस्पा लंबे समय से साथ-साथ चल रहे थे और सरकारों की सोच पर कोई असर नहीं पड़ रहा था। इससे कम निराशाजनक जनता का रवैया नहीं था। अनशन से उठने के बाद 2017 में इरोम ने एक राजनीतिक दल बनाकर विधानसभा का चुनाव लड़ा और खुद उन्हें सौ से भी कम मत मिले। संदेश साफ था, राज्य के दोनों अंगों- सरकार व जनता के लिए मानवाधिकार अभी भी बहुत उद्वेलित करने वाला मुद्दा नहीं बन सका है।

अफस्पा के कुछ इतने विचलित करने वाले प्रकरण आजाद भारत में घटे कि कई बार तो न्यायपालिका को लीक से हटकर आदेश पारित करने पड़े। एक मुकदमा सर्वोच्च न्यायालय के सामने मणिपुर में कुछ वर्षों के दौरान 1,528 नागरिकों के 'फर्जी' मुठभेड़ों में मारे जाने का भी आया। इसमें उसने कठोर टिप्पणियां कीं और इन घटनाओं की जांच कराने का इरादा जाहिर किया। इस फैसले से मणिपुर में फौरी राहत तो मिल गई है, पर दूसरे इलाकों में अभी भी विचलित करने वाली घटनाएं घटती रहती हैं। हाल में नगालैंड के मोन जिले में एक ट्रक पर कोयला खदान से दिन भर की मेहनत-मजूरी करके लौट रहे एक दर्जन से अधिक मजदूर फौजी टुकड़ी की अनायास फायरिंग में मारे गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण एक बार फिर अफस्पा चर्चा में आ गया। इस बार तो कुछ विधानसभाओं में इसे हटाने के प्रस्ताव भी पास हुए हैं। मोन की घटना का एक सकारात्मक परिणाम यह जरूर निकला कि केंद्र सरकार को एक विशेषज्ञ कमेटी नियुक्त करनी पड़ी, जिसने समयबद्ध विचार-विमर्श के बाद कम से कम पूर्वोत्तर के काफी बड़े क्षेत्र से तो अफस्पा हटाने की सिफारिश कर दी और सरकार ने उसे हटाने की अधिसूचना भी जारी कर दी है। अपेक्षा की जानी चाहिए कि शेष पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर से भी शीघ्र यह कानून हटा लिया जाएगा। दुर्भाग्य से कई बार आतंकवाद से लड़ाई में भी न्यस्त स्वार्थ पैदा हो जाते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि कोई बड़ा नीतिगत फैसला राजनीतिक नेतृत्व ही कर सकता है। उसे सारे हितधारकों से बात करके ऐसे फैसले करने होंगे, जो लोकतंत्र को मजबूत करे। सशस्त्र बलों की मानेंगे, तो किसी क्षेत्र से विशेष कानून नहीं हट सकेगा।

पूर्वोत्तर के एक बड़े हिस्से से अफस्पा को हटाया जाना एक बहुत बड़ा घटनाक्रम है, जिसका सभी लोकतंत्र प्रेमियों द्वारा स्वागत किया जाना चाहिए। इस पर आम सहमति बननी चाहिए कि अपने नागरिकों से निपटने के लिए सैन्य बलों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उसके उपकरण और सिखलाई दुश्मन से निपटने के लिए होते हैं और अपने नागरिकों को आप दुश्मन नहीं घोषित कर सकते। सशस्त्र बलों द्वारा आवश्यकता से बहुत अधिक बल का प्रयोग नहीं होना चाहिए। अपने नागरिकों के असंतोष का हल राजनीतिक इच्छाशक्ति और बातचीत के जरिये निकलना चाहिए। अपवाद स्वरूप यदि बल का प्रयोग करना ही पड़े, तो उसके लिए स्थानीय पुलिस सबसे बेहतर विकल्प है। इसके लिए उसके संख्या बल, उपकरणों और प्रशिक्षण में सुधार कर सेना की कमी पूरी की जा सकती है। पंजाब का जीता-जागता उदाहरण हमारे पास है, जहां जैसे ही पंजाब पुलिस ने लड़ना शुरू किया, पासा पलट गया।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वेतन में लैंगिक विषमता को दूर करने के उपाय

अनीशा शर्मा,असिस्टेंट प्रोफेसर, अशोका यूनिवर्सिटी

लैंगिक असमानता की पड़ताल करती 'ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2021' के मुताबिक, भारत में महिलाओं और पुरुषों के बीच वेतन का अंतर दुनिया में काफी अधिक है। यहां औरतें मर्दों की तुलना में 21 फीसदी कम कमाती हैं। इस अंतर का एक महत्वपूर्ण कारक विश्वविद्यालयों में गणित से जुड़े विषयों में छात्राओं का कम दाखिला होना है, जिसकी वजह से अधिक वेतन वाले रोजगारों के दरवाजे महिलाओं के लिए बंद हो जाते हैं। अधिक तनख्वाह देने वाली नौकरियों पर विज्ञान और अर्थशास्त्र का दबदबा है, और भारत ही नहीं, दुनिया भर में इन विषयों में पुरुषों की संख्या महिलाओं से काफी अधिक है।

शहरी भारत के इस चरित्र पर जब मैंने अपराजिता दासगुप्ता के साथ मिलकर एक अध्ययन किया, तो हमने पाया कि सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों की तुलना में विज्ञान और अर्थशास्त्र से पास होने वाले विद्यार्थी 17 से 32 फीसदी अधिक कमाते हैं, लेकिन महज 39 फीसदी महिलाएं इन विषयों में अध्ययन करती हैं, जबकि पुरुषों की संख्या 68 फीसदी है। हमारा मानना है कि अगर छात्राएं भी छात्रों की दर से इन विषयों में दाखिला लेने लगेंगी, तो उनकी कुल तनख्वाह में अंतर 20 फीसदी तक कम हो सकता है।

तो आखिर क्यों इतनी कम महिलाएं विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित, यानी 'एसटीईएम' (स्टेम) विषयों में दाखिला लेती हैं? यह समझने के लिए हमने एक प्रमुख भारतीय विश्वविद्यालय में दाखिला ले चुके स्नातक के छात्र-छात्राओं के बीच सर्वे किया कि आखिर कैसे वे अपने 'मेजर' (स्नातक का प्रमुख विषय) चुनते हैं? हमने छात्रों से चार श्रेणियों (विज्ञान, अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान और मानविकी) में अपने 'मेजर' विषयों के रैंक बनाने को कहा, और फिर उनसे पूछा कि यदि वे अपने इन 'मेजर' विषयों में स्नातक होते हैं, तो अकादमिक और करियर में उनके लिए क्या संभावनाएं होंगी? हमने इस अध्ययन में विज्ञान व अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान व मानविकी विषयों में काफी ज्यादा लैंगिक विभाजन देखा। छात्रों की तुलना में छात्राएं गणित से जुड़े विषयों में अपनी क्षमता को लेकर बहुत कम आश्वस्त थीं। छात्रों ने विज्ञान व अर्थशास्त्र में छात्राओं के मुकाबले अपने लिए कहीं ज्यादा संभावनाएं देखीं, जबकि छात्राओं ने सामाजिक विज्ञान और मानविकी को अपने लिए मुफीद पाया। छात्राओं में इस भरोसे की भी कमी दिखी कि वे इस तरह के 'मेजर' विषयों को ठीक से निभा सकेंगी। इसकी पुष्टि इस तथ्य से भी होती है कि छात्राएं ज्यादा कमाई कर सकने वाले विषयों के बजाय उन पाठ्यक्रमों को लेकर उत्सुक रहती हैं, जिनमें उनका मन लगे।

सर्वेक्षण में शामिल छात्र 'कार्य व जीवन में संतुलन और लैंगिक संतुलन बनाए रखने वाले कार्यस्थलों' जैसी रोजगार-विशेषताओं की बहुत ज्यादा परवाह करते नहीं दिखे। हालांकि, अगले दस वर्षों में काम करती रहेंगी, शादी होगी या बच्चे पैदा करेंगी, जैसे मुद्दों पर छात्राओं की सोच छात्रों के समान थी। संभवत: इसकी एक बड़ी वजह यह होगी कि ये सभी कुलीन विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हैं, जो महत्वाकांक्षी हैं और संभवत: पारंपरिक लैंगिक मानदंडों से कम प्रभावित हैं।

सामाजिक मनोविज्ञान बताता है कि विज्ञान विषयों को लेकर भले ही छात्र और छात्राओं में अलग-अलग सोच हो, लेकिन ऐसे भेदभाव जीव-विज्ञान के मानक नहीं हैं, बल्कि ये सामाजिक रूप से निर्मित हैं और इन विषयों में प्रवेश की चाह रखने वाली छात्राओं पर हावी लैंगिक रूढ़िवादिता, भेदभाव और अन्य सामाजिक व सांस्कृतिक रुकावटों से प्रभावित हैं। इन प्राथमिकताओं को बदलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, हालांकि, हरियाणा में स्कूली बच्चों के साथ एक मेल-मुलाकात में हम महिलाओं के लिए इन विषयों में असीमित अवसरों को समझाने में सफल रहे।

अमेरिका में कॉलेज के छात्रों को अर्थशास्त्र के क्षेत्र में महिला रोल मॉडल के बारे में बताने पर उस विषय में छात्राओं के दाखिले की दर बढ़ी। इतना ही नहीं, छात्राओं की भ्रांतियों को दूर करने से वे अपनी पसंद के विषय को फिर से आंकते हैं। हाल का एक शोध भी यह बताता है कि छात्र-छात्राओं को उनकी संभावित कमाई के बारे में बताने पर वे अपने 'मेजर' विषय को एक न एक बार जरूर बदलते हैं। भारत के संदर्भ में देखें, तो विज्ञान और अर्थशास्त्र में छात्रों की तुलना में छात्राओं का रुख कहीं ज्यादा निराशावादी है। तो क्या हम भी छात्राओं को गणित से जुड़े विषयों में महिलाओं की सफलता के उदाहरण देकर उनको इन विषयों की तरफ मोड़ सकते हैं? यह शोध का एक विषय है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

खुशी छोटी हो या बड़ी मुस्कुराहट काफी है, फूलों का जीवन छोटा पर कितना हसीन है।

-अंजली जैन

7024460938

रूसी तेल खरीद पर क्या मिलेगा?

अजीत द्विवेदी

आपदा में अवसर देख रही भारत की सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। पिछले पूरे साल में भारत ने रूस से करीब डेढ़ करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदा था, जो भारत के कुल तेल आयात का महज दो फीसदी था। लेकिन इस साल फरवरी से लेकर अभी तक भारत की पेट्रोलियम कंपनियों ने एक करोड़ 30 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद कर ली है। आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी होगी क्योंकि रूस ने भारत को 35 डॉलर प्रति बैरल के डिस्काउंट पर तेल देने का प्रस्ताव दिया है और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऊर्जा सुरक्षा का हवाला देते हुए कहा है कि भारत को अगर सस्ता तेल मिलता है तो उसे खरीदने में कोई दिक्कत नहीं है। इसका मतलब है कि भारत आर्थिक, कूटनीतिक और राजनीतिक तौर पर रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाने के लिए तैयार है।

कायदे से इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में एक डॉलर के फर्क से भी खुदरा कीमत पर बड़ा असर होता है, जबकि रूस 35 डॉलर का डिस्काउंट देने को तैयार है। लेकिन रूस से तेल खरीद का मामला इतना सरल नहीं है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने खुद ही पिछले दिनों कहा कि इसमें कई चीजें अभी तय होनी बाकी है, जिसमें भुगतान के तरीके से लेकर तेल ढुलाई पर होने वाले खर्च का मामला शामिल है। रूस चाहता है कि डॉलर और यूरो की बजाय उसे तेल का भुगतान रूबल में हो। रूबल में भुगतान करने में समस्या यह है कि यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद दुनिया भर के देशों ने रूस पर जो पाबंदी लगाई है उससे रूबल की स्थिति कमजोर हुई है। उसमें स्थिरता नहीं है और उसमें भुगतान का समझौता करना जोखिम का काम हो सकता है। इसी तरह यूक्रेन और रूस में चल रहे युद्ध की वजह से बीमा का खर्च भी काफी बढ़ जाएगा। जहां तक तेल ढुलाई का सवाल है तो रूस से भारत तक तेल ले आना हमेशा ज्यादा खर्च का काम होता है और इसमें समय भी बहुत ज्यादा लगता है। सितंबर 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को यात्रा के समय वैकल्पिक रास्ते को लेकर चर्चा हुई थी। अभी तक भारत स्वेज नहर के रास्ते सेंट पीटर्सबर्ग से चेन्नई तक कच्चा तेल ले आता है। इसमें 35 से 36 दिन का समय लगता है। अगर रूस के व्लादिवोस्टोक बंदरगाह से कच्चा तेल भारत लाया जाता है तो उसमें 19 दिन का समय लगेगा लेकिन वह रास्ता दक्षिण चीन सागर और मलाक्का की खाड़ी से होकर गुजरता है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का हुआ वर्चुअल आयोजन

रायगढ़। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार 26 मार्च से 04 अप्रैल 2022 तक कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, रायगढ़ में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का वर्चुअल आयोजन किया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.ए.के.सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया की पर्यावरण ने इंसान को सबकुछ दिया है अत: इसके साथ जीवन में संतुलन बनाने के लिए दिन की शुरुआत प्रात: कालीन योगाभ्यास के साथ शुरू करना चाहिए एवं सुबह के नाश्ते में चना, हरा मुंग, फल्ली दाना एवं बादाम का सेवन करना चाहिए। दिन के भोजन में हरे सब्जी एवं हल्के भोजन लेना चाहिए जिससे शरीर को पोषण युक्त आहार मिलता रहे। कृषि विज्ञान केंद्र की विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ.श्रीमती मनीषा चौधरी ने सुपर फूड के बारे में बताया की युवा वर्ग को आज के जरुरत के हिसाब से इसे आहार में शामिल करना अत्यंत आवश्यक है, उन्होंने बताया की जो भी भोजन हम लोग लेते हैं उसमें अलग-अलग प्रकार के रंगों के भोजन का शामिल होना अत्यंत आवश्यक है जैसे की दाल, चावल, पालक, सलाद इत्यादि उन्होंने सात दिन, सात भाजी के मॉडल को सभी को अपनाने की बात कही, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन के वैज्ञानिक डॉ श्रीकांत सांवर गाँवकर ने विद्यार्थी गण को संतुलित एवं पोषणयुक्त आहार लेने के लिए प्रेरित किया और ज्यादा से ज्यादा प्रोटीनयुक्त भोजन ग्रहण करने की सलाह दी। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री गंगा राम राठिया ने पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियों के सेवन पर बल देने की बात कही।

साहू समाज प्रदेश को आगे ले जाने में दे रहा महत्वपूर्ण योगदान : मंत्री गुरू रूद्रकुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री गुरू रूद्रकुमार आज दुर्ग जिले के ग्राम देवबलौदा में आयोजित कर्मा जयंती एवं लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने 5 लाख की लागत से बने साहू समाज के सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने कहा कि साहू समाज अपनी सकारात्मक गतिविधियों के माध्यम से न केवल सामाजिकजनों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है अपितु अपने सेवा कार्यों से और जनजागरूकता गतिविधियों से प्रदेश को भी आगे ले जाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने साहू समाज के लोगों को मां कर्मा जयंती की बधाई देते हुए कहा कि माँ कर्मा साहू समाज की पूज्य हैं, आज

प्रमुख वक्ताओं ने उनके जीवनचरित्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह बड़ी अच्छी बात है कि लोग अपनी सामाजिक परंपराओं को सहेजकर रख रहे हैं और इतना सुंदर आयोजन कर रहे हैं। मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने कहा कि राज्य शासन ने कर्मा जयंती के अवसर पर शासकीय अवकाश घोषित किया है। यह बहुत बड़ा निर्णय रहा। इससे पता लगता है कि छत्तीसगढ़ सरकार हमारे सांस्कृतिक सरोकारों को अक्षुण्ण रखने में गहरी रुचि रखती है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में लगातार लोगों के साथ मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हो रहे हैं और इसका हर संभव निराकरण किया जा रहा है। लोगों से मिले फीडबैक के आधार पर बड़े पैमाने पर कार्य पूरे क्षेत्र में स्वीकृत हुए हैं। समाज के लोगों को ऐसे आयोजन के लिए अधिक अच्छा अवसर मिले, इसके लिए सामुदायिक भवन जैसी माँग पर भी घोषणा की जा रही है। सबसे बड़ा काम पेयजल को लेकर हो रहा है। जलजीवन मिशन के माध्यम से हमने सुनिश्चित किया है कि हर घर में लोगों को पर्याप्त शुद्ध पेयजल मिल सके। पहली बार इतने बड़े पैमाने पर गाँव-गाँव में जलजीवन मिशन के माध्यम से शुद्ध जल पहुंचाने का अभियान चलाया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि लोगों के कौशल को और ज्यादा निखारने और आधुनिक तकनीक के माध्यम से इन्हें और भी बढ़ाएं। ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से ऐसे प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। इसके माध्यम से लोग हुनरमंद हो रहे हैं।

जेल तक पहुंचा गौधन न्याय योजना, कैदियों ने तैयार किए 7 क्विंटल वर्मी कंपोस्ट की पहली खेप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना गौधन न्याय एवं सुराजी गांव योजना का दायरा अब जेल तक पहुँच गया है। जिले में एक और जहां इसका विस्तार बारनवापारा के अंचलों में किया जा रहा है वही दूसरी और इसका विस्तार अब जेल तक कर दी गयी है। अब इसके सकारात्मक परिणाम मिलने लगे है। कैदियों ने पहली खेप के रूप में 7 क्विंटल वर्मी कंपोस्ट तैयार किए है। तैयार वर्मी कंपोस्ट को जेल प्रशासन के द्वारा ही खरीद ली जाएगी एवं इसका उपयोग जेल के भीतर बनाए जा रहे बाड़ी विकास के तहत पोषण वाटिका में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आने वाले कुछ दिनों में लगभग 25 क्विंटल वर्मी भी तैयार हो जाएगा। कलेक्टर डोमन सिंह के निर्देश पर जेल के भीतर कैदियों को भी स्वरोजगार से जोड़ते हुए उन्हें वर्मी कंपोस्ट निर्माण,मशरूम उत्पादन एवं अन्य रोजगार मूलक गतिविधियों को प्रारंभ की गयी हैं। इसके तहत प्रथम चरण में 40- 40 चयनित कैदियों को वर्मी कंपोस्ट एवं पोषण बाड़ी निर्माण का प्रशिक्षण सतत रूप से दिया जा रहा है। इन्हीं कैदियों के द्वारा ही परिसर में ही अस्थायी टैंक द्वारा वर्मी कंपोस्ट का निर्माण किया गया है। साथ ही बाड़ी विकास के तहत पोषण वाटिका में साग भाजी का भी रोपण करनें की तैयारी की जा रही है। इस कार्य के पहले चरण में मिट्टी का पटाव कर प्रारंभिक तैयारी अब पूरी कर ली गयी है। वर्मी कंपोस्ट का प्रशिक्षण नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार एवं पोषण बाड़ी का प्रशिक्षण उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त क्रेडा द्वारा 6 लाख 30 हजार रुपये का बायो गैस लगाने की तैयारी चल रही है। जिसका उपयोग यहां पर खाना बनाने में किया जाएगा। उक्त कार्य की स्वीकृति कलेक्टर डोमन सिंह के द्वारा दी गयी है। साथ ही नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार द्वारा जेल के चारो तरफ ब्लॉक प्लांटेंशन का भी कार्य किया जा रहा है।

सभी अशासकीय स्कूलों को फीस अधिनियम का करना होगा पालन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के सभी निजी स्कूलों को छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन अधिनियम 2020 का पालन करना अनिवार्य होगा। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने सभी अशासकीय विद्यालयों को फीस अधिनियम का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए है। निजी विद्यालय में नियम के विपरीत अन्य किसी प्रकार की फीस विद्यार्थियों से नहीं ली जानी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी विद्यार्थी से अतिरिक्त फीस ली जाती है तो उसके अभिभावक कलेक्टर अथवा जिला शिक्षा अधिकारी को शिकायत कर सकते है।

अशासकीय विद्यालय फीस अधिनियम 2020 के तहत निजी स्कूलों द्वारा एक बार में अधिकतम आठ प्रतिशत तक ही फीस की वृद्धि की जा सकती है । इससे अधिक फीस की वृद्धि करने के लिए विद्यालय फीस समिति को अपना प्रस्ताव जिला फीस समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। इसके पश्चात जिला फीस समिति द्वारा उस प्रस्ताव पर युक्तियुक्त निर्णय लिया जाएगा। निजी स्कूलों द्वारा अधिनियम के प्रावधानों का पालन किए बिना अपनी फीस में असाधारण रूप से वृद्धि नहीं की जा सकती है। स्कूलों द्वारा नियम विरुद्ध फीस लेने पर पालकगण जिला फीस समिति में शिकायत कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन अधिनियम 2020 के तहत जिला फीस समिति का अध्यक्ष जिला कलेक्टर है।

राज्यपाल सुश्री उइके डॉ. हरवंश सिंह जज दंत चिकित्सा संस्थान के व्हाईट कोट सेरेमनी में शामिल हुई

विद्यार्थियों को व्हाईट कोट प्रदाय कर दायित्वों के निर्वहन के लिए राज्यपाल ने दी सीख

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल अनुसुईया उइके आज चंडीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित डॉ. हरवंश सिंह जज दंत चिकित्सा संस्थान में बी.डी.एस. के प्रथम वर्ष में प्रवेश कर रहे विद्यार्थियों के 'व्हाईट कोट सेरेमनी' में शामिल हुई। राज्यपाल सुश्री उइके सह अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। राज्यपाल ने इस दौरान संस्थान में प्रवेश कर रहे विद्यार्थियों को व्हाईट कोट प्रदाय किया और उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में बेहतर ढंग से अध्ययन कर मानवता की सेवा के लिए कार्य करने को कहा। उल्लेखनीय है कि पंजाब विश्वविद्यालय सबसे पुराने एवं प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसकी स्थापना 1882 में लाहौर में हुई थी। इसके अंतर्गत लगभग 200 महाविद्यालय संचालित हैं।

राज्यपाल सुश्री उइके ने 'व्हाईट कोट सेरेमनी' को संबोधित करते हुए कहा कि आज आपको जो कोट मिला है, उसका विशेष महत्व है। यह कोट आमजनों के बीच आपको एक विशिष्ट पहचान देने के साथ ही विश्वास का परिचायक है। आप सभी इस कोट की गरिमा को बनाए रखें और अपनी जिम्मेदारियों का पालन करें। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि चिकित्सा संस्थान के विद्यार्थियों के लिए 'व्हाईट कोट सेरेमनी' एक स्वर्णिम अवसर है, जिससे संस्थान में प्रवेश ले रहे विद्यार्थियों को अपने प्राध्यापकों और संस्थान के बारे में जानकारी मिलती है। जो आपके महाविद्यालयीन तथा शैक्षणिक अनुभव को बेहतर बनाता है। उन्होंने इस मौके पर प्रवेश प्राप्त कर रहे सभी छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान के लिए दो समय अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। एक वह समय जब विद्यार्थी अपने सपनों को पूरा करने के लिए संस्थान में प्रवेश लेते हैं और दूसरा अध्ययन उपरांत अर्जित शिक्षा के व्यावहारिक उपयोग हेतु संस्थान से विदा लेते हैं। मेरा मानना है कि जिस परिसर में युवा अपने सपनों को गढ़ते हैं, वहां उनका स्वागत होना ही चाहिए। यह स्वागत समारोह निश्चित ही विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ायेगा और उनका उत्साहवर्धन करेगा।

उन्होंने कहा कि यह स्वर्णिम समय, दंत चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थियों में अपने पेशे की संवेदनशीलता और दायित्व का बोध कराएगा। यह व्हाईट कोट सेरेमनी संस्थान की स्थापना के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य, शोध, मरीजों की सेवा एवं देखभाल के अपने सिद्धांतों को सतत् रूप से जारी रखने पर बल देगा। दंत चिकित्सा के विद्यार्थी लोगों को एक स्वस्थ मुस्कान देने का काम करते हैं। चिकित्सा विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की तरह दंत चिकित्सा का अपना विशेष महत्व है। शरीर के अन्य अंगों के साथ-साथ दांतों की भी विशेष देखभाल के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। चिकित्सकीय पेशे में सेवा भावना ही मूल है। आप सभी को संवेदनशील होकर मरीजों की सेवा करनी होगी। मरीज बड़ी उम्मीद से आपके पास आएंगे। आपकी कोशिश होनी चाहिए कि उनकी समस्याओं को दूर कर उन्हें स्वास्थ्य लाभ दें। कोविड के कठिन दौर में चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत लोगों ने मानवता की सेवा कर जो मिसाल कायम की है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। आप सभी युवा विद्यार्थियों का इसे पेशे के रूप में चुनना एक महत्वपूर्ण फैसला है। जो आपको विशेष अनुभव के साथ-साथ आत्मसंतुष्टि भी देगा। सेवा का यह क्षेत्र न केवल प्रतिष्ठित है, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण में भूमिका निभाएगा।

निरोग और स्वस्थ जीवनशैली का आधार है योग : श्रीमती अनिला भेंड़िया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने कहा है कि निरोग और स्वस्थ्य जीवनशैली का आधार योग है। योग हमें प्रकृति से जोड़कर रखता है। योग हमारे अंदर शारीरिक शक्ति के साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के समय में लोगों को जो शारीरिक एवं मानसिक परेशानी आई, उसे दूर करने में योग ने सकारात्मक भूमिका निभाई।

श्री भेंड़िया सोमवार को बिलासपुर के लखीराम ऑडिटोरियम में योग आयोग द्वारा आयोजित योग सम्मलेन एवं सम्मान कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थी।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा, महापौर श्री रामशरण यादव, नगर निगम के सभापति शेख नजरूद्दीन, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी आवास संघ के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री प्रमोद नायक, बिल्हा के पूर्व विधायक सियाराम कौशिक, पूर्व महापौर श्रीमती वाणी राव, पूर्व महापौर राजेश पाण्डेय, योग आयोग के सदस्य रविन्द्र सिंह, बिलासपुर आईजी रतनलाल डांगी विशेष रूप से मौजूद थे।श्रीमती भेड़िया ने कहा कि घटती शारीरिक प्रतिरोधकता, तनावयुक्त, व्यस्त जीवन शैली को व्यवस्थित करने में योग का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। समाज के सभी लोगों में योग के प्रति जागरूकता की आवश्यकता है। जिससे हम एक स्वस्थ समाज, प्रदेश और देश के निर्माण में सहयोगी बन सके। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए अपनी दिनचर्या में योग को अनिवार्य रूप से शामिल करने का आव्हान किया। छ.ग. आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि योग आयोग निरंतर योग के प्रति लोगों को जागरूक करने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने योग आयोग द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। महापौर श्री रामशरण यादव ने कहा कि स्कूल के पाठ्यक्रम में योग एक विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती भेड़िया ने योग संस्थाओं, ब्रम्हकुमारी, आर्ट ऑफ लिविंग, पंतजलि, गायत्री संस्थान एवं शुद्ध योग केंद्र, विश्वविद्यालयों में योग के विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकों, योगाचार्य सहित योग प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान स्कूली बच्चों एवं योग प्रशिक्षकों ने योग की विभिन्न मुद्राओं का प्रदर्शन किया।

खास खबर

अंतर्राज्यीय बस स्टैंडः ट्रैफिक पुलिस और पेट्रोलिंग पार्टी की सजगता से नहीं होती है जाम की स्थिति

रायपुर। राजधानी रायपुर के अंतर्राज्यीय बस स्टैण्ड के आस-पास के क्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस और पेट्रोलिंग पार्टी की लगातार गश्त के कारण अंतर्राज्यीय बस स्टैण्ड आने-जाने में लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नही करना पड़ रहा है। भाठागांव क्षेत्र में अंतर्राज्यीय बस स्टैण्ड और आस-पास के ट्रैफिक के दबाव को व्यवस्थित करने में ट्रैफिक पुलिस के जवान लगातार कार्य कर रहे हैं।

रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल के अनुसार बस स्टैंड प्रारंभ होने के माह नवंबर 2021 से माह फरवरी 2022 तक तीन माह में उस क्षेत्र में नो पार्किंग में खड़े 397 वाहनों पर कार्रवाई की गयी है। इसमें 20 बसें, 91 कार, 28 आटो रिक्शा, 11 छोटे मालवाहक वाहन, 246 दोपहिया तथा 01 ट्रक पर कार्रवाई की गयी है। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक और पुलिस के जवान अंतर्राज्यीय बस स्टैण्ड और आस-पास के क्षेत्र में ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के साथ ही वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के संबंध में आवश्यक समझाईश दे रहे हैं।

भाठागांव में अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल से बसें संचालित हो रही हैं। बसों के बस स्टैंड में प्रवेश करने एवं निर्गम हेतु पृथक-पृथक मार्ग निर्धारित हैं। निर्धारित मार्गों से ही बसों का आवागमन होता है तथा बसों में बस स्टैंड से ही सवारी बिठाया जाता है और निर्गम मार्ग से बसें निकलकर भाठागांव ब्रिज के नीचे से सर्विस रोड होकर अपने गंतव्य की ओर रवाना होती हैं। भाठागांव चौक में बसें सवारी के इंतजार में खड़ी नहीं होती हैं और सवारी बिठाकर तत्काल रवाना होती हैं। बस स्टैंड से बसें लगातार निकलती हैं जिससे सर्विस रोड़ पर जाम की स्थिति निर्मित होती। रायपुर पुलिस के द्वारा भाठागांव चौक पर यातायात संचालन के लिए यातायात जवान तथा पेट्रोलिंग के लिए पेट्रोलिंग टीम तैनात कर कार्य पर लगाया गया है। अंडरब्रिज के पास बसों के प्रवेश एवं निर्गम मूवमेंट से ट्रैफिक की गति धीमी रहती है परंतु जाम की स्थिति निर्मित नहीं होती है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 350 मरीजों की जांच, 50 लोगों ने किया रक्तदान

रायपुर। भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के तहत नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 350 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। समिति के अध्यक्ष महेन्द्र कोचर व महासचिव मनोज कोठारी ने बताया कि सामूहिक सामायिक के साथ जैन दादाबाड़ी में 50 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर के प्रभारी बी जे एस की टीम थी। जिसमें वैभव गोलछा, मंजू कोठारी, प्रतीक लुनावत, मोहित चोरडिया, विवेक गोलछा, ऋषभ चोपड़ा ने सक्रिय भूमिका निभाई।

मानव सेवा अभियान में न्यू राजेन्द्र नगर महावीर जैन मंदिर में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व दवाई वितरण शिविर का आयोजन वर्धमान महिला मण्डल व आदिश्वर बहु मंडल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। जिसमें 15 विभागों में रायपुर के वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। इस अवसर पर रायपुर नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे व पार्षद आकाशदीप उपस्थित रहे। शिविर में 350 से ज्यादा मरीजों का परीक्षण व उपचार किया गया, साथ ही 200 मरीजों को जैन प्रयास ग्रुप के द्वारा 50 प्रतिशत रियायती दर पर दवाई प्रदान किया गया। नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में डा.माधुरी ठाकुर(स्त्री रोग), डा.सी एम सिंह(न्यूरोलॉजी), डा.सिध्दार्थ बागरेचा, डा.मनीष तिवारी, डा. कुहू लुणावत, डा.कोमल अहलूवालिया, डा. यात्रा कावड़िया, डा. रचना सक्सेना, डा. स्वर्णा जैन, डा. शिल्पी लूनिया ने अपनी सेवाएं प्रदान की। नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में वर्धमान महिला मंडल से सरिता पारख,सोनल डागा, पुष्पा जैन, वर्षा गुणधर, रेखा पारख, शानु, रीना, सुमन, दीपिका, श्वेता व आदिश्वर बहु मंडल से ज्योति झाबक, वनिता कोचर, सपना लुंकड, ज्योत्सना, रीना, स्मृति, पुष्पा, सरिता मुणोत आदि सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रभारी महामंत्री महावीर कोचर ने बताया कि नगर जैन श्रीसंघ द्वारा दुर्गा मंदिर चौक में मठा वितरण किया गया ।

पुरानी पेंशन लागू होने से भविष्य की चिंता खत्म हुईः भूपेश बघेल

सरकार की ताकत होते हैं अधिकारी-कर्मचारीः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इंद्रावती भवन, नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री पेंशन दृष्टा सम्मान समारोह में शामिल हुए। फेडरेशन द्वारा पुरानी पेंशन योजना बहाली के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री बघेल का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उद्योग मंत्री कवासी लखमा, आयुक्त सीआर प्रसन्ना, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवँ आयुक्त हाउसिंग बोर्ड डॉ.अय्याज तम्बोली, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा, फेडरेशन के पदाधिकारियों के साथ ही बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी गण भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे ये जानकर प्रसन्नता हुई कि पुरानी पेंशन लागू होने से आप सभी में अपार उत्साह का संचार हुआ है। अब आपके भविष्य की चिंता खत्म हो गयी है । विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने अपनी समस्याएं बताई हैं सभी का निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोगों को अंशदायी पेंशन योजना से जो कठिनाई आ रही थी इसका मुझे अंदाजा था। सभी लोग सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान से जीवन गुजारना चाहते हैं। किसी सरकार की ताकत अधिकारी-कर्मचारी होते हैं, आप चिंतित रहेंगे तो कार्य भी प्रभावित रहेगा, इसलिए ओल्ड पेंशन योजना लागू की गई ताकि आपका मनोबल ऊंचा बने रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी ने कोरोना में बहुत काम किया, इस महामारी में कई लोगों की जान भी गई फिर भी आप सभी डटे रहे और एकजुटता के साथ काम किया। इसका परिणाम रहा कि छत्तीसगढ़ के महामारी के दौरान प्रबंधन को देशभर में सराहा गया। इस दौरान कोरोना की वजह से जिन लोगों की जान गई उनके परिवारों का भी हमने ध्यान रखा। ऐसे परिवारों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए सरकार ने अनुकंपा नियुक्ति की छूट की समय सीमा को खत्म किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई राज्यों ने कोरोनाकाल में वेतन कटौती की लेकिन हमारी सरकार ने वेतन नहीं काटा। मैंने अपने अधिकारियों से दो टूक कह दिया था कि वेतन से बिल्कुल भी कटौती नही होगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा प्रदेश में नवीन पेंशन योजना के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से प्रदेश के लगभग 3 लाख शासकीय सेवकों को लाभ मिलेगा। फेडरेशन द्वारा मुख्यमंत्री श्री बघेल को पेंशन दृष्टा सम्मान से अलंकृत किया गया।

स्वावलंबी गौठान स्वयं की राशि से खरीदने लगे हैं गोबर

13 करोड़ 18 लाख रूपए का खरीदा गोबरः 3006 गौठान हुए स्वावलंबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं में शामिल सुराजी गांव योजना के तहत निर्मित गौठान तेजी से स्वावलंबन की ओर बढ़ रहे हैं। राज्य में अब तक 3006 गौठान स्वावलंबी हो चुके है। स्वावलंबी गौठान अब स्वयं की राशि से गोधन न्याय योजना के तहत गोबर की खरीदी करने लगे हैं। स्वावलंबी गौठानों में अपनी स्वयं की राशि से 13 करोड़ 18 लाख रूपए का गोबर क्रय किया है। स्वावलंबी गौठानों की संख्या राज्य में निर्मित एवं संचालित गौठानों की संख्या के एक तिहाई से भी अधिक है। राज्य में 8366 गौठान निर्मित एवं संचालित हैं। रायगढ़ जिले में सर्वाधिक 279 गौठान स्वावलंबी हुए है। दूसरे नंबर राजनांदगांव जिले में 221 तथा तीसरे क्रम जांजगीर-चांपा जिला है, जहां 190 गौठान स्वावलंबी हुए हैं।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार गरियाबंद जिले में 26, धमतरी में 130, बलौदाबाजार में 101, महासमुंद में 170 तथा रायपुर जिले में 85, कबीरधाम में 141, दुर्ग में 185, बालोद में 67, बेमेतरा में 78, कोरबा में 175, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 28, बिलासपुर में 101, मुंगेली में 82, कोरिया में 121, जशपुर में 75, बलरामपुर में 80, सरगुजा में 105, सूरजपुर में 94, कांकेर में 144, कोण्डगांव में 80, दंतेवाड़ा में 64, नारायणपुर में 7, बस्तर में 102, बीजापुर में 23 तथा सुकमा जिले में 52 गौठान स्वावलंबी बन चुके हैं। गौरतलब है कि राज्य में पशुधन के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा अब तक 10591 गांवों में गौठान के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है। जिसमें से 8366 गौठानों का निर्माण पूरा हो चुका है और वहां पर गोबर खरीदी, वर्मी कम्पोस्ट के निर्माण सहित अन्य आयमूलक गतिविधियां संचालित हो रही है। वर्तमान में 1750 गौठानों का तेजी से निर्माण कराया जा रहा है शेष 475 गौठानों के निर्माण का कार्य अभी शुरू कराया जाना है। गौठानों में पशुधन के देखरेख, चारे-पानी एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

बीरगांव वासियों को जल्द मिलेगा भरपूर पानी, उरला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से तत्काल मिलेगा डेढ़ एमएलडी पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में पानी की समस्या का जल्द समाधान होने के आसार है। जल्द ही बीरगांव वासियों को उपयोग के लिए साफ और भरपूर मात्रा में पानी मिलने लगेगा। कलेक्टर सौरभ कुमार ने बीरगांव में पानी की कमी को लेकर अधिकारियों के साथ मैराथन बैठक की। बैठक में रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के विधायक सत्यनारायण शर्मा भी मौजूद रहे। श्री शर्मा ने बीरगांव में पानी की समस्या को दूर करने विधायक निधि के उपयोग पर भी सहमति जताई और अधिकारियों को जल्द से जल्द इस समस्या के निराकरण के लिए सभी संभव उपाय करने को कहा।

इस उच्चस्तरीय बैठक में कलेक्टर सौरभ कुमार ने बीरगांव निगम क्षेत्र में पानी की कमी और गंदे पानी की समस्या के कारणों की गहराई से समीक्षा की और इसे सुलझाने के लिए त्वरित करवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।कलेक्टर ने बैठक में मौजूद सी एस आई डी सी के अधिकारियों को उरला के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से तत्काल डेढ़ एम एल डी पानी बीरगांव नगर निगम को देने के निर्देश दिए। श्री कुमार ने जल संसाधन विभाग द्वारा बेन्द्री एनीकट से बीरगांव निगम को मिलने वाले प्रस्तावित पानी को भी जल्द से जल्द सी एस आई डी सी के इंटेक वेल से उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने जरूरत और उपलब्धता के आधार पर खमतराई के ओवरहेड रिजर्वोयर से भी बीरगांव नगर निगम को पानी देने के निर्देश रायपुर नगर निगम के अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने उरला औद्योगिक क्षेत्र के फैक्ट्रियो और कारखानों के नलकूपो में वर्तमान में उपलब्ध पानी की जानकारी लेने को भी कहा। इन औद्योगिक संस्थानों में पर्याप्त पानी होने पर बीरगांव निगम क्षेत्र को उपलब्ध कराने के निर्देश कलेक्टर ने बैठक में दिए। पानी की आपूर्ति के लिए परिवहन की समुचित व्यवस्था बीरगांव नगर निगम द्वारा की जाएगी। श्री कुमार ने पानी के परिवहन के लिए पर्याप्त संख्या में टैंकरों की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में फिलिंग पॉइंट के लिए तत्काल चार बोरिंग करने को भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

गंदे पानी की समस्या पर चर्चा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि खारुन नदी में जल स्तर कम हो जाने के कारण गंदे पानी की समस्या हुई है। कलेक्टर ने तेंदुआ नाला से संलग्न उद्योगों के ई टी पी की जांच करने एस डी एम की अध्यक्षता में पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की समिति भी बना दी। श्री कुमार ने बीरगांव नगर निगम और सी एस आई डी सी के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच के लिए एजेंसी नियुक्त करने के भी निर्देश बैठक में दिए।

बैठक में नगर निगम रायपुर के कमिश्नर प्रभात मलिक,बीरगाँव नगर निगम के आयुक्त श्रीकांत वर्मा, जल संसाधन विभाग, सी एस आई डी सी के अधिकारियों सहित जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकज शर्मा, महापौर नन्दलाल देवांगन, सभापति कृपाराम निषाद, एम आई सी सदस्य इकराम अहमद, ओम प्रकाश साहू और शिव साहू भी शामिल हुए।

15 अप्रैल तक तपाती रहेगी गर्मी, रायपुर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री पहुंचा

रायपुर। प्रदेश में उत्तरी और दक्षिणी हवाओं के प्रभाव से बस्तर संभाग में गर्मी से थोड़ी सी राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, अन्य जिलों में तापमान में बढ़ोतरी ही होगी। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि दक्षिण छत्तीसगढ़ में कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा या गरज चमक के साथ छींटे पड़ सकते है। सोमवार को रायपुर समेत प्रदेश भर में मौसम शुष्क था। दोपहर की चिलचिलाती धूप चुभने वाली थी। मौसम विभाग का भी कहना है कि अभी गर्मी बनी रहेगी और किसी भी प्रकार से राहत के आसार नहीं है। एक्यूवेदर के अनुसार, सोमवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। रायपुर का अधिकतम और न्यूनतम तापमान दोनों ही सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया।

चिटफंड कंपनी एसपीएनजे लैण्ड प्रोजेक्ट एण्ड डेवलपर्स इंडिया लिमिटेड की संपत्ति होगी कुर्क

जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया अंतः कालीन आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। चिटफंड कंपनी एसपीएनजे लैण्ड प्रोजेक्ट एण्ड डेवलपर्स इंडिया लिमिटेड की संपत्ति जल्द ही कुर्क की जाएगी। जिला दण्डाधिकारी और कलेक्टर सौरभ कुमार ने इस संबंध में अंत:कालीन आदेश जारी किया है।

चिटफंड कंपनी की रायपुर जिले के अभनपुर तहसील के ग्राम पचेड़ा, रायपुर तहसील के ग्राम कोटा, ग्राम जरवायडीह उर्फ हीरापुर में स्थित अपार्टमेंट, गोबरा-नवापारा के ग्राम कठिया में स्थित भूमि, उक्त सभी संपत्ति जिसका कुल मूल्याकंन बाजार भाव 74 लाख से अधिक है, की कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

कंपनी के डायरेक्टर राजकुमार बैनर्जी निवासी ग्रीन लैण्ड विहार कॉलोनी मोवा, रायपुर तथा डालीदास गुप्ता निवासी दलदल सिवनी मोवा, रायपुर के द्वारा एसपीएनजे लैण्ड प्रोजेक्ट एण्ड डेवलपर्स इंडिया लिमिटेड कंपनी के नाम से कंपनी बनाकर, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर कंपनी के द्वारा अपने कार्यकर्ताओं के सहयोग से आम जनता को अधिक ब्याज देने, कम समय में धन दोगुना करने का झांसा देकर विभिन्न लोक लुभावनी योजना बताकर निवेशकों से कपटपूर्वक राशि जमा कराई गई थी। निवेशकों द्वारा जमा कराई गई राशि परिपक्वता के पश्चात् भी उन्हे भुगतान नहीं करने, जमा की गई राशि को वापस नहीं करने, जमा राशि का ब्याज भी अदा नहीं कर धोखाधड़ी किया गया। प्रकरण में निवेशकों द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर थाना न्यू राजेन्द्र नगर में विभिन्न धाराओं के तहत कंपनी के डायेरेक्टर राजकुमार बैनर्जी एवं डालीदास गुप्ता अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

कंपनी के द्वारा रायपुर तहसील के ग्राम कोटा-3 की 0.0380 हेक्टेयर, ग्राम जरवायडीह के भगत सिंह वार्ड नं 13 में 547 वर्गफुट का अर्पाटमेंट, अभनपुर तहसील के ग्राम पचेड़ा में स्थित 0.5900 हेक्टेयर, गोबरा नवापारा तहसील के ग्राम कठिया में छः अलग-अलग जगह स्थित कुल रकबा 0.9300 हेक्टेयर, समीपस्थ जिला बेमेतरा के ग्राम उफरा के 8 अलग-अलग जगह में कुल रकबा 5.9400 हेक्टेयर सहित सभी संपत्ति कुल 7.4980 हेक्टेयर निवेशकों द्वारा प्राप्त राशी से क्रय की गई थी।

प्रकरण में पुलिस विवेचना के बाद मिले प्रतिवेदन, दस्तावेज साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का सूक्ष्म अध्ययन किया गया है। चिटफंड कंपनी एस.पी.एन.जे लैण्ड प्रोजेक्ट एण्ड डेवलपर्स इंडिया लिमिटेड के संचालकों द्वारा आम जनता को अपनी कंपनी की लोक लुभावनी योजना बताकर लोगों से रूपये जमा कर धोखाधड़ी की गई है। प्रकरण में अब तक प्रार्थी तथा कुल 18 गवाहों का कथन लेखबद्ध किया गया है। कंपनी के स्कीम के तहत कुल निवेशक की जानकारी 1254 है तथा धोखाधड़ी की कुल रकम अनुमानित राशि 3 करोड़ 74 लाख से अधिक है।

छत्तीसगढ़ के निक्षेपकों के हितो का संरक्षण अधिनियम 2005 के प्रावधानों एवं ईनामी चिटफंड एवं धन परिचालन पाबंदी स्कीम अधिनियम 1978 के प्रावधानों के तहत इस संपत्ति को कुर्क करने के लिए अंत:कालीन आदेश जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया है।

वर्ल्ड टेबल टेनिस-डेः राजीव और अभिनव की जोड़ी लक्की डबल्स विजेता

रायपुर (ए)। वर्ल्ड टेबल टेनिस-डे के अवसर पर एक दिवसीय जिला स्तरीय लक्की डबल्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में राजधानी टेबल टेनिस संघ द्वारा सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल में रविवार को प्रतियोगिता आयोजित की गई। संघ के सचिव विनय बैसवाड़े ने बताया कि राजीव साहू एवं अभिनव शर्मा की जोड़ी ने खिताब जीता। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के संयुक्त उपाध्यक्ष शकील साजिद ने पुरस्कार बांटे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

26 की हुईं रश्मिका: गूगल ने रश्मिका को 2020 में दिया नेशनल क्रश का खिताब

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आज 26 साल की हो चुकी हैं। रश्मिका मंदाना ने अब तक अपने करियर में 14 फिल्में की हैं लेकिन शुरुआत की 4-5 फिल्मों के बाद ही पूरे इंडिया में उनके फैंस बन गए। रश्मिका की क्यूटनेस और खूबसूरती के लोग दीवाने हैं। कर्नाटक में तो रश्मिका का निक नेम ही नेशनल क्रश हैं, वहीं एक्सप्रेशन क्वीन के खिताब पर भी उनका ही कब्जा है।

5 अप्रैल 1996 को कर्नाटक के विराजपेट में जन्मी रश्मिका ने मास्टर ऑफ साइकोलॉजी की डिग्री हासिल है। रश्मिका का जन्म एक मिडिल क्लास फैमिली में हुआ था उनके पिता मदन मंदाना क्लर्क की नौकरी करते थे। 2016 में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से रश्मिका ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। महज 4 करोड़ रुपए में बनी इस फिल्म ने 50 करोड़ का कलेक्शन किया था और ये फिल्म 2016 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कन्नड़ फिल्म बन गई थी।

कॉलेज में रहते हुए रश्मिका ने क्लीन एंड क्लियर फ्रेश फेस 2014 प्रतियोगिता जीती थी जिसके बाद उन्होंने मॉडलिंग के असाइनमेंट लेना शुरू कर दिया था। महज 7 साल के फिल्मी करियर में रश्मिका ने 14 फिल्में की हैं, जिनमें से अधिकतर हिट रहीं। रश्मिका को 2021 में आई फिल्म पुष्पा में उनके दमदार किरदार के लिए भी जाना जाता है।

रश्मिका के इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

बैंगलोर टाइम्स ने '30 मोस्ट डिज़ायरेबल वुमन ऑफ़2017 'की सूची में रश्मिका को पहला स्थान मिला था। रश्मिका उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जिनकी फिल्में टॉलीवुड में कम समय में 100 करोड़ क्लब में शामिल हुईं। गूगल और ट्वीटर दोनों पर हैशटैग रश्मिका मंदाना आम बात है। इसके चलते गूगल ने उन्हें 2020 में नेशनल क्रश घोषित कर दिया। अब गूगल पर नेशनल क्रश सर्च करने पर रश्मिका की फोटो नजर आती है। गूगल ने सर्च इंजन में रश्मिका का नाम नेशनल क्रश रखा है जिससे नेशनल क्रश सर्च करने पर रश्मिका का फोटो ही नजर आता है।

पुष्पा फिल्म के बाद रश्मिका ने टॉलीवुड के साथ बॉलीवुड में भी अपनी जगह बना ली है। अब एक्ट्रेस साउथ में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से एक हैं। गौरतलब है कि रश्मिका अपनी एक फिल्म के लिए लगभग 3 से 4 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

रश्मिका को अबतक अलग-अलग फिल्मों में अपने रोल के लिए 6 बार बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिल चुका है। वहीं नेटवर्थ की बात करें तो रश्मिका का कर्नाटक, मुंबई, हैदराबाद और गोवा में घर है, एक्ट्रेस के पास 4 गाड़ियों का कलेक्शन भी है जिसमें 1 करोड़ रुपए तक की गाड़ियां शामिल हैं। रश्मिका की नेटवर्थ लगभग 35 करोड़ रुपए है।

पर्सनल लाइफकी बात करें तो रश्मिका कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी के दौरान ही एक्टर रक्षित शेट्टी के करीब आ गईं थीं। जिसके बाद दोनों ने 3 जुलाई 2017 को सगाई भी कर ली थी लेकिन दोनों ने इस रिश्ते को आपसी झगड़े के चलते 2018 में खत्म कर दिया। फिलहाल एक्ट्रेस का नाम एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ जोड़ा जाता रहता है और कई बार दोनों की शादी की अफवाहें भी उड़ी हैं।

फिल्म पुष्पा के बाद से रश्मिका और भी ज्यादा चर्चा में आ गईं हैं और अब वो बॉलीवुड में भी पूरी तरह से डेब्यू के लिए तैयार हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना जल्दी ही सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म 'मिशन मजनू' और अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म गुड बाय में दिखाई देने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग जारी है और उम्मीद है कि इसी साल ये फिल्म रिलीज भी हो जाएगी। फिलहाल रश्मिका मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग में भी व्यस्त हैं। वहीं फिल्म एनिमल में भी रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगी।

हुनरबाज: भारती सिंह को सुरभि चंदना ने किया रीप्लेस

कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिम्बाचिया शो 'हुनरबाज' को होस्ट कर रहे थे। इस बीच भारती ने रविवार (3 अप्रैल) को बेटे को जन्म दिया, जिसके बाद खबरें आने लगीं कि वो आगे इस शो को होस्ट नहीं करेंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार शो में उनकी जगह सुरभि चंदना ने ली है। कहा जा रहा है कि भारती डिलीवरी की वजह से कुछ समय तक काम से ब्रेक लेंगी, लेकिन हर्ष अपने कमिटमेंट्स को पूरा करेंगे।

सुरभि ने किया भारती को रीप्लेस

सुरभि और हर्ष की साथ में होस्टिंग करते हुए फोटोज और वीडियोज भी सामने आने लगी हैं। वहीं सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो मिथुन चक्रवर्ती के साथ शो के मेकर्स से बात करती नजर भी आ रही हैं। सुरभि की बात करें तो उन्होंने टीवी इंडस्ट्री के कई शोज में काम किया है, लेकिन उन्हें ऑडियंस के बीच सही पहचान शो 'इश्कबाज' से मिली थी। इसके बाद सुरभि ने 'कुबूल है', 'संजीविनी' और 'नागिन 5' जैसे शोज में भी काम किया।

भारती ने दिया है बेटे को जन्म

भारती सिंह ने हाल ही में बेबी बॉय को जन्म दिया है। भारती के पति हर्ष ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फैंस को यह गुड न्यूज दी थी। हर्ष ने भारती के साथ की एक बेहद खूबसूरत फोटो शेयर कर लिखा, इट्स ए बॉय। जिसके बाद टीवी जगत से लेकर फिल्मी दुनिया के लोग उन्हें बधाइयां दे रहे थे। भारती ने पिछले साल अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी।

भारती ने 2017 में राइटर हर्ष से शादी की थी। वे हर्ष से 7 साल बड़ी हैं। दोनों ने तकरीबन 7 साल तक डेटिंग करने के बाद एक-दूसरे को अपना हमसफर चुना था। हर्ष ने 'पीएम नरेंद्र मोदी बायोपिक' के डायलॉग लिखे थे। इसके अलावा फिल्म 'मलंग' का टाइटल ट्रैक भी उन्होंने ही लिखा था।

अमेरिका में बजा फिल्म 'आरआरआर' का डंका, आमिर खान की इस फिल्म को पीछे छोड़ा

निर्देशक एस एस राजमौली की फिल्म 'आरआरआर' की सफलता का जश्न शुरू हो गया है। मुंबई में फिल्म के सितारे बुधवार को एक शानदार जलसा करने के लिए इकट्ठे हो रहे हैं। इस पार्टी का हिंदी सिनेमा की तमाम नामी गिरामी शख्सीयतों को न्यौता भेजा गया है। फिल्म 'आरआरआर' की कमाई का डंका सात समंदर पार अमेरिका तक बज रहा है। वहां इस फिल्म ने आमिर खान की फिल्म 'दंगल' को पीछे छोड़ दिया है। इस बीच घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म का शानदार प्रदर्शन जारी है। फिल्म ने सोमवार के अनुमानित कलेक्शन के हिसाब से अब 636 करोड़ रुपये की नेट कमाई कर ली है।

राम चरण की 41 दिनों की अयप्पा पूजा साधना फलीभूत होती दिख रही है। राम चरण ने फिल्म 'आरआरआर' की कामयाबी के लिए मनोकामना मांगी थी और फिल्म के हिंदी संस्करण के 200 करोड़ के आंकड़े के करीब पहुंचने की जानकारी मिलते ही वह मुंबई पहुंचे और अयप्पा साधना के वस्त्रों में ही बांद्रा के एक सिनेमाघर में दर्शकों के बीच पहुंच गए। राम चरण और जूनियर एनटीआर दोनों की ही हिंदी भाषी राज्यों में उनकी हिंदी डब फिल्मों ने काफी लोकप्रियता दिलाई है और इन दोनों की एक साथ बनी इस पहली फिल्म ने कमाई के तमाम नए रिकॉर्ड्स बना डाले हैं।

उधर अमेरिका से मिल रही जानकारी के अनुसार फिल्म 'आरआरआर' ने कमाई के मामले में वहां आमिर खान की फिल्म 'दंगल' को पीछे छोड़ दिया है। 20.5 मिलियन डॉलर की कमाई करने वाली राजामौली की ही फिल्म 'बाहुबली 2' वहां किसी भारतीय फिल्म की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई रही है। इसके बाद अब तक आमिर खान की फिल्म 'दंगल' का स्थान रहा है जिसने 12.37 मिलियन डॉलर की कमाई वहां की थी। अब इस स्थान पर राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' 12.5 मिलियन डॉलर की कमाई करके पहुंच गई है। 'दंगल' अब तीसरे नंबर पर है। अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांच फिल्मों में अब 12.16 मिलियन डॉलर की कमाई के साथ दीपिका पादुकोण की फिल्म 'पद्मावत' चौथे नंबर पर और आमिर खान की फिल्म 'पीके' 8.5 मिलियन डॉलर की कमाई के साथ पांचवें नंबर पर है।

यहां घरेलू बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे रविवार तक 618 करोड़ रुपये की नेट कमाई कर चुकी फिल्म 'आरआरआर' ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे रविवार को भी अच्छा कलेक्शन किया।

केजीएफ 2 : संजय दत्त के लिए आसान नहीं था 'केजीएफ 2' का क्लाइमैक्स, बोले फिल्म की टीम न होती तो नहीं कर पाता शूट

साउथ की फिल्मों में 'पुष्पा: द राइज' और 'आरआरआर' के बाद अगर किसी फिल्म का क्रेज लोगों के बीच देखने को मिल रहा है, तो वह यश की फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' का है। हालांकि इस बार फिल्म में रॉकी भाई के साथ ही अधीरा के रोल की भी खूब चर्चा हो रही है। यह रोल फिल्म में बॉलीवुड स्टार संजय दत्त निभा रहे हैं। कैंसर से लड़ने के बाद इस फिल्म से संजय बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं और इस रोल में उन्हें देखने के लिए उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। फैंस के साथ-साथ संजय दत्त खुद भी 'केजीएफ 2' को लेकर काफी उत्साहित हैं क्योंकि प्रशांत नील द्वारा निर्देशित इस फिल्म से बॉलीवुड स्टार कन्नड़ सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। हाल ही में संजय दत्त ने फिल्म के क्लाइमैक्स के बारे में बात करते हुए अपना अनुभव साझा किया।

केजीएफ 2 ने संजय दत्त को एक ऐसा रोल दिया, जो एक बार फिर उन्हें लाइम लाइट में ले आया है। इस फिल्म में संजय खलनायक अधीरा की भूमिका निभा रहे हैं, जिसे वह 'निडर, शक्तिशाली और निर्दयी' बताते हैं। बॉलीवुड के एक रोमांटिक हीरो रहे संजय दत्त के लिए एक निर्दयी व्यक्ति का रोल निभाना आसान नहीं रहा होगा। अपने रोल के बारे में बात करते हुए संजय ने इसे निभाते वक्त हुई दिक्कतों पर भी खुलकर बात की। संजय ने कहा, जब आपको इतना शक्तिशाली और प्रभावशाली किरदार निभाना का मौका दिया जाता है, तो उसके लिए आपको पूरे दिल से महनत करनी पड़ती है। इसके साथ ही आपने अबतक जो भी सीखा है वह सब उस रोल के लिए लगाना पड़ता है। मैंने निर्देशक प्रशांत नील के किरदार को लेकर नजरिए को समझा। किरदार को समझने के बाद हम दोनों ने साथ बैठकर अधीरा का फर्स्ट लुक तैयार किया, जिसके लिए मैंने बहुत सारे सुझाव भी दिए थे।

सिनेमा के बदलते रूप के बारे में बोले संजय

जहां एक तरफ संजय दत्त ने सिनेमा के बदलते रूप के साथ खुद को बदला है वहीं उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्में बीते सालों में काफी बदली हैं। संजय ने कहा, हम सभी भूल गए हैं कि सिनेमा हम सभी से बहुत बड़ा है। मुझे बताइये हीरो वाली एक्शन फिल्में कहां गई? हिंदी फिल्मों में दिखाई गई बहादुरी बेशक इसे बेहतर बनाती है लेकिन इंडस्ट्री के रूप में हमें लोगों के इंट्रस्ट को समझने की जरूरत है। जब हम दर्शकों को समझेंगे तबी उन्हें फिल्म देखने के बाद सीटी बजाने के लिए प्रेरित कर पाएंगे।

केजीएफ की पूरी टीम ने रखा ख्याल

हम सभी जानते हैं कि संजय दत्त ने अपने जीवन में हर तरह के उतार चढ़ाव देखे हैं, इन्हीं में से एक उनका कैंसर से पीड़ीत होना था। संजय, जब इस फिल्म के एक्शन सींस की शूटिंग कर रहे थे तब साल 2020 में उन्हें लंग कैंसर का पता चला। उन्होंने उस समय को याद करते हुए कहा कि फिल्म की पूरी टीम ने उनका हम मुंकिन ध्यान रखा। उन्होंने कहा, उन्होंने मेरे लिए सब किया, जो वो कर सकते थे। यहां तक की उन्होंने सींस को ग्रीन स्क्रीन पर शूट करने तक को कहा था। लेकिन एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए जरूरी था कि फिल्म को ढ़ंग से शूट किया जाए। हम सबने क्लाइमैक्स को बहुत बड़े तौर पर शूट करने का सोचा था और मैं उसे वैसे ही करना चाहता था। यह बहुत मुश्किल भरा क्लाइमैक्स था, इसमें मिट्टी, आग और भरपूर एक्शन था। मैं इसको कभी उन सबकी मदद के बिना शूट नहीं कर पाता।

संजय ने खोला राज अधीरा क्यों हैं इतना शक्तीशाली

संजय दत्त को लगता है कि अधीरा को इतना शक्तीशाली रॉकी की दमदार छवी के कारण बनाया गया है। उन्हें लगा कि यश जैसे बहतरीन नायक के सामने अधीरा जैसा खलनायक होना बहुत जरूरी था। संजय बोले, रॉकी एक खतरानाक इंसान और साथ ही कुछ लोगों के लिए दयालू भी है। अधीरा को जिस तरह से दर्शाया गया है वो ज्यादातर रॉकी के रोल में यश की दी गई एनर्जी से प्रेरित है। यश एक बहुत ही दमदार अभिनेता हैं।

डिप्रेशन का इलाज होता तो बच सकती थी दिव्या भारती की जान

5 अप्रैल 1993 को दिव्या भारती की मौत से न केवल बॉलीवुड बल्कि पूरा देश सदमे में था। महज 19 साल की उम्र में दिव्या भारती यूं दुनियां को अलविदा कह देंगी किसी ने कल्पना भी नहीं की रही होगी। आज भी उनकी मौत एक पहेली बनी हुई है। कोई उनकी मौत को सुसाइड मानता है तो कोई षड्यंत्र। जिस दिन दिव्या भारती की मौत हुई थी ,उसी दिन उन्होंने नया फ्लैट भी खरीदा था। इससे तो यही साफहोता है कि दिव्या भारती सुसाइड तो नहीं कर सकती थी,तो क्या उनकी मौत के पीछे कोई षणयंत्र था या और भी कोई वजह थी। कई सालो तक इस गुत्थी को सुलझाने की कोशिश की गयी। जब कोई ठोस प्रमाण तब मुंबई पुलिस ने भी इस केस को 1998 में बंद कर दिया।

मौत की एक वजह यह भी बताया जाता है कि दिव्या भारती अपने पति साजिद नाडियाडवाला को बच्चों की तरह सरप्राइज देती थी, वह अक्सर अपने फ्लैट के खिड़की के बाहर पैरापिट में चुप जाती थी, साजिद जब उन्हें वहां ढूढने जाते तो उन्हें चौका के उन्हें सरप्राइज देती थी। उस रात भी ऐसा था, जैसे वह साजिद को चौकाने के लिए आगे बढ़ी उनका संतुलन खो गया और वह फिसलकर नीचे गिर गयी। उस रात वह काफी नशे में थी। बताया जाता है कि वह अक्सर शराब के नशे में ही होती थी। कई बार तो शूटिंग के दौरान भी शराब पीकर जाती थी।

दिव्या भारती ने महज 16 साल की ही उम्र से फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने अपने कैरियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया। पैसे भी खूब कमाए, लेकिन कहते हैं कि उनकी पूरी कमाई उनकी मां मीता भारती रख लेती थी और पूरा पैसा जुए में लगा देती थी। कहा जाता है कि अपनी मां की इस हरकत से दिव्या परेशान रहने लगी। इस बात को लेकर मां - बेटी में झगडे भी खूब होते थे। कोई समाधान न देखते हुए दिव्या फ़्रस्टेशन का शिकार हो गयी। इससे उबरने के लिए उन्होंने शराब का सहारा लिया और यह शराब उनकी लत बन गयी।

साजिद भी जताते अपना हक

दिव्या भारती काफी अकेला महसूस करने लगी थी। उन्हें एक सहारे की जरुरत थी। जो उन्हें समझ सके। ऐसे में उनकी मुलाकात साजिद नाडियाडवाला से हुई। साजिद से मिलने के बाद दिव्या को लगा कि साजिद उनको वो सारी खुशिया देंगे ,जिससे वो अबतक वंचित रही। दोनों ने चुपचाप शादी कर ली, काफी दिनों के बाद साजिद नाडियाडवाला ने शादी का खुलासा किया कि उन्होंने शादी की बात इसलिए लोगों से छुपा के रखी ताकि इससे दिव्या के कैरियर पर कोई फर्क न पड़े। बहरहाल, इन दोनों के बीच कुछ दिनों तक रिश्ता सामान्य नहीं। लेकिन कुछ दिनों के बाद साजिद नाडियाडवाला भी दिव्या भारती की हर चीज पर हक जताने लगे। इसके बाद से दिव्या भारती और भी तनाव में रहने लगी।

खास खबर

शिक्षा स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में राज्य सरकार की गौरवशाली उपलब्धियॉ - महापौर

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने आज कहा है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अधोसंरचनात्मक विकास, गांव, गरीब, किसान, मजदूर के हितों सहित विकास के विभिन्न क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ की सरकार ने बेहतर कार्य करते हुए गौरवशाली उपलब्धियाँ हासिल की है। उन्होने कहा कि राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने नगर निगम कोरबा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित सभी स्कूलों के उन्नयन व जीर्णोद्धार कराने का संकल्प लिया है तथा स्कूलों का उन्नयन व जीर्णोद्धार कराया जाएगा। उक्त बातें महापौर प्रसाद ने आज बलगी हायर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित सायकल वितरण कार्यक्रम के दौरान कही। शासन की महत्वपूर्ण योजना सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलगी की छात्राओं को सायकल दिए जाने का कार्यक्रम आज विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया था, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महापौर राजकिशोर प्रसाद ने छात्राओं को सायकलों का वितरण किया तथा उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अपने उद्बोधन में महापौर प्रसाद ने आगे कहा कि सरस्वती सायकल योजना शासन की महत्वपूर्ण योजना है, इस योजना के तहत विद्यालयीन छात्राओं को नि:शुल्क सायकल उपलब्ध कराई जाती है, उन्होने कहा कि सायकल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने जाने में काफी सुविधा हो जाती है, उनके समय व श्रम की बचत होती है।

कचकोबा की रामचन्द्र मानस मण्डली बनी जिला स्तरीय रामायण पाठ प्रतियोगिता की विजेता

रायगढ़। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग के दिशा-निर्देशन में आज सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम पंजरी प्लांट, रायगढ़ में जिला स्तरीय रामायण मण्डली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विकासखण्ड स्तरीय विजेता मंडलियां शामिल हुई। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विकासखण्ड तमनार के कचकोबा की रामचंद्र मानस मण्डली विजेता बनी। उन्हें पुरस्कार स्वरूप 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। विजेता टीम 8 से 10 अप्रैल तक शिवरीनारायण में आयोजित राज्य स्तरीय रामायण मण्डली प्रतियोगिता में रायगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित रहे। इस मौके पर बीज निगम के सदस्य दिलीप पाण्डेय भी मौजूद रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष पटेल ने रामायण मण्डली के कलाकारों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की ग्रामीण लोक संस्कृति के संरक्षण व प्रोत्साहन की ।

मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की एम्बुलेंस को झंडी दिखाकर रवाना किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार ने आज नई दिल्ली के निर्माण भवन से 33 एम्बुलेंस (13 उन्नत लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस और 20 बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस) को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खुबा भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्रियों को एम्बुलेंस द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं तथा सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज (आईएफआरसी) ने भारत में कोविड महामारी से निपटने के लिए आवंटित किये गये धन के अंतर्गत कुछ धनराशि एएलएस एम्बुलेंस, बीएलएस एम्बुलेंस, सचल स्वास्थ्य इकाईयों और सचल रक्त संग्रह वाहनों के लिए निर्धारित की है। ये 33 एम्बुलेंस चिकित्सा वाहनों की पहली खेप का हिस्सा हैं, जिन्हें इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस) की विभिन्न शाखाओं में स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन क्षमता में सुधार के लिए भेजा जा रहा है।

आईआरसीएस ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और महामारी के प्रभाव को सीमित करने में काफी योगदान दिया है। आईआरसीएस ने पूरे देश में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई शिविर आयोजित किए हैं। स्वास्थ्य गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ ही बहुआयामी कार्रवाई एक संगठन के रूप में आईआरसीएस की क्षमता का प्रमाण है।

अनुराग ठाकुर ने प्रसारकों के लिए प्रसारण सेवा पोर्टल का शुभारंभ किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज नई दिल्ली में प्रसारण सेवा पोर्टल का शुभारंभ किया और इसके साथ ही प्रसारण क्षेत्र में 'व्यवसाय में आसानी' का एक नया अध्याय शुरू हुआ। प्रसारण सेवा पोर्टल एक ऑनलाइन पोर्टल समाधान है, जिसके तहत प्रसारकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लाइसेंसों, अनुमतियों, पंजीकरणों आदि के लिए आवेदनों को शीघ्रता से दाखिल किया जा सकेगा और इन आवेदनों की जांच भी तेजी से पूरी की जा सकेगी।

इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि सरकार ने प्रणाली में पारदर्शिता लाने एवं इसे और अधिक जवाबदेह बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया है। प्रसारण सेवा पोर्टल आवेदनों पर अंतिम निर्णय लेने में लगनेवाले समय को कम करेगा और आवेदकों को आवेदन की प्रगति की जानकारी प्राप्त करने में भी सहायता प्रदान करेगा। यह पोर्टल आवेदकों की उपस्थिति की आवश्यकता को कम करेगा, जो

पहले आवश्यक था और इस प्रकार मंत्रालय की क्षमता निर्माण में वृद्धि करेगा। यह व्यवसाय में आसानी की दिशा में भी एक बड़ा कदम सिद्ध होगा।

ठाकुर ने यह भी कहा कि सभी प्रकार के (360 डिग्री) डिजिटल समाधान; हितधारकों को अनुमति लेने, पंजीकरण के लिए आवेदन करने, आवेदनों पर नज़र रखने, शुल्क की गणना करने और भुगतान करने की सुविधा प्रदान करेंगे। यह पोर्टल निजी उपग्रह टीवी चैनलों, टेलीपोर्ट संचालकों, एमएसओ, सामुदायिक और निजी रेडियो चैनलों आदि से जुड़े सभी हितधारकों को डिजिटल इंडिया के व्यापक प्रयासों के तहत अपनी सेवाएं प्रदान करेगा।

ठाकुर ने कहा यह पोर्टल माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के %न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन% के मंत्र को साकार करने में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा; क्योंकि सरल और उपयोगकर्ता-अनुकूल यह वेब पोर्टल, प्रसारकों को शुरुआत से अंत तक (एंड-टू-एंड) के सभी समाधान केवल एक क्लिक पर प्रदान करता है।

यह पोर्टल 900 से अधिक सैटेलाइट टीवी चैनलों, 70 टेलीपोर्ट संचालकों, 1700 मल्टी-सर्विस संचालकों, 350 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों (सीआरएस), 380 निजी एफएम चैनलों और अन्य को सीधे लाभ पहुंचाकर कारोबारी माहौल को बढ़ावा देगा और पूरे प्रसारण क्षेत्र को सशक्त बनाएगा।

मंत्री ने उपस्थित लोगों को बताया कि पोर्टल के परीक्षण को अंतिम उपयोगकर्ताओं से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। जल्द ही पोर्टल को राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली से जोड़ा जाएगा। यदि उद्योग जगत को कोई अन्य सुधार आवश्यक लगता है, तो मंत्रालय ऐसे सुधारों को शामिल करने के लिए भी तैयार है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चन्द्र ने कहा कि नए पोर्टल में पिछले संस्करण की तुलना में कई सुधार किये गए हैं और इसमें एक महीने की परीक्षण अवधि के दौरान हितधारकों से प्राप्त सुझावों को भी शामिल किया गया है।

पोर्टल से इकोसिस्टम में पारदर्शिता, जवाबदेही और तत्परता आयेगी तथा सभी प्रकार की जानकारी एक ही डैशबोर्ड पर उपलब्ध होगी। पोर्टल की विभिन्न सेवाओं और विशेषताओं में शामिल हैं यह ध्यान देने योग्य है कि भारत के कारोबारी माहौल में सुधार, भारत सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। प्रसारण सेवा पोर्टल, व्यवसाय करने में आसानी के लिए तथा प्रसारण क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

राज्य के तीन फेंसिंग खिलाड़ी जुनियर वर्ल्ड चौम्पियनशिप के लिए चयनित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। फेंसिंग जुनियर एवं कैडेट वर्ल्ड चौम्पियनशिप के लिए छत्तीसगढ के तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित छत्तीसगढ़ फेंसिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने इन खिलाड़ियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। जुनियर वर्ल्ड चौम्पियनशिप के लिए जिन खिलाड़ियों का चयन हुआ है उनमें सुखम निंगथौबा, के. डेनी सिंह और एस.एन. शिवा मगेश शामिल है। फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा छत्तीसगढ़ फेंसिंग एसोसियेशन के सदस्य श्री समीर खान को टीम मैनेजर नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि यूनाईटेड अरब एमिरात फेंसिंग महासंघ द्वारा जूनियर एवं कैडेट वर्ल्ड फेंसिंग चौम्पियनशिप (बालक एवं बालिका) का आयोजन दुबई हमदान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, दुबई, यू.ए.ई. में दिनांक 02 अप्रैल से 10 अप्रैल 2022 तक इंटरनेशनल फेंसिंग फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय जूनियर एवं कैडेट बालक एवं बालिका फेंसिंग टीम

की 47 सदस्यीय फेंसिंग टीम भेजा जा रहा है।

भारतीय जूनियर एवं कैडेट फेंसिंग टीम के टीम मैनेजर के रुप में छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के पूर्व महासचिव एवं वर्तमान में सदस्य श्री समीर खान को फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा टीम मैनेजर नियुक्त किया गया है। उक्त वर्ल्ड चौम्पियनशिप में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ के तीन खिलाड़ियों का चयन भारतीय जूनियर फेंसिंग टीम में किया गया है। खिलाड़ियों का चयन 29वीं जूनियर राष्ट्रीय फेंसिंग चौम्पियनशिप (बालक एवं बालिका), सोनीपत, हरियाणा में 25 से 28 दिसम्बर 2022 में व्यक्तिगत इवेन्ट में पदक प्राप्त करने पर किया गया है, जिसमें श्री सुखम निंगथौबा (रजत पदक- फॉइल इवेन्ट), के. डेनी सिंह (कांस्य पदक- फॉइल इवेन्ट) एवं श्री एस.एन. शिवा मगेश (स्वर्ण पदक- ईपी इवेन्ट) शामिल है।

छत्तीसगढ़ फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एस. भारती दासन, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल,, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अजीत सिंह पटेल,कोशाध्यक्ष रामप्रताप गुप्ता, प्रिन्स भाटिया, महासचिव एवं भारतीय फेंसिंग महासंघ के कोशाध्यक्ष बशीर अहमद खान, एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारी तथा विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ से फेंसिंग जुनियर वर्ल्ड चौम्पियनशिप के लिए चयन होने पर खशी जाहिर की है और कहा है कि इससे राज्य में फेंसिंग के लिए बेहतर माहौल बनेगा। राज्य के खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक माहौल बनेगा। साथ ही उन्होंने राज्य के खिलाड़ियों एवं टीम मैनेजर श्री समीर खान को बधाई देते हुये वर्ल्ड चौम्पियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं प्रदान की है।

ताम्रध्वज साहू ने राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय में भित्तिचित्र एवं सभागार का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने एक विशेष समारोह में संचालनालय सैनिक कल्याण, छत्तीसगढ़ रायपुर की चारदीवारी पर नवनिर्मित भित्तिचित्र का लोकार्पण किया। ये भित्तिचित्र भारतीय सशस्त्र सेना की विभिन्न क्रियाकलापों को दर्शाते हैं। सैनिक कल्याण परिसर की चारदीवारी पर नवनिर्मित ये भित्तिचित्र भारतीय सेनाओं द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों एवं सेना की सामर्थ्य को दर्शाते हैंद्य सेना के शौर्य को भित्तिचित्र के माध्यम से प्रदर्शित करने से यह राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत का काम करेंगी जिससे युवाओं का ध्यान सेना की तरफ आकर्षित होगा और वो भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित होंगे। गृहमंत्री श्री साहू ने इस मौके पर सैनिक कल्याण बोर्ड के नवनिर्मित सभागार एवं उन्नयन वेबसाइट का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू द्वारा शहीद लेफ्टिनेंट राजीव पांडे (वीर चक्र) की वीरमाता को शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया एवं भूतपूर्व सैनिक हितग्राहियों को धनादेश प्रदान किया गया।

गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने अपने संबोधन करने हुए सेना के जवानों की वीरता, त्याग और समर्पण की सराहना की और भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए

हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया द्य उन्होंने सैनिक कल्याण बोर्ड के उपक्रमों की भी सराहना की तथा झंडा दिवस फंड में 11001 रूपए का योगदान भी दिया द्य इस दौरान गृहमंत्री ने भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार के साथ बातचीत की और उनके समस्याओं का निवारण करने का आश्वासन दिया द्य कार्यक्रम में विधायक एवं हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष श्री कुलदीप जुनेजा, श्री धनंजय देवांगन सचिव गृह विभाग, मेजर जनरल संजय शर्मा (सेवानिवृत्त) एयर कमोडोर एस के सिंह, कमांडर, एंटी नक्सल टास्क फोर्स, श्री प्रदीप टंडन, अध्यक्ष जिंदल स्टील एवं अन्य गणमान्य नागरिक शामिल थे द्य

पर्यटन सचिव ने शिवरीनारायण में राम वन गमन परिपथ निर्माण कार्यों का किया अवलोकन

राज्य स्तरीय मानस मंडली प्रतियोगिता की तैयारियों का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। पर्यटन एवं संस्कृति सचिव श्री अन्बलगन पी ने आज जिले के शिवरीनारायण में आगामी 10 अप्रैल को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों की तैयारियों का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस दौरान राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री डॉ राम सुंदर दास, कलेक्टर श्री जितेंद्र कुमार शुक्ला, पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव, जिला पंचायत सीईओ श्री गजेंद्र सिंह ठाकुर

उपस्थित थे। पर्यटन सचिव ने आज शिवरीनारायण के बाघ घाट सहित अन्य घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट में टाइल्स आदि लगाने और निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके बाद वे मेला ग्राउंड पहुंचे जहां उन्होंने 10 अप्रैल को आयोजित होने वाली मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के सभा स्थल का अवलोकन किया। यहां उन्होंने टेंट सुरक्षा, मंच व्यवस्था आदि का अवलोकन किया और आवश्यक जानकारी ली और कार्य में तेजी लाने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने शिवरीनारायण मंदिर तथा उसके आसपास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। संस्कृति सचिव ने मंदिर में राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री डॉ. राम सुंदर दास से राज्य स्तरीय मानस मंडली प्रतियोगिता के आयोजन और व्यवस्थाओं के संबंध में गहन विचार विमर्श किया।

अन्बलगन ने इसके बाद शिवरीनारायण कॉलेज का निरीक्षण किया। महाविद्यालय में राज्य स्तरीय मानस मंडली स्पर्धा के प्रतियोगियों को ठहराया जाएगा। उन्होंने मंडलियों के सदस्यों के लिए तहाविद्यालय में आवास, भोजन सहित अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। संस्कृति सचिव ने महाविद्यालय में अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एस डी एम पामगढ़ करूण डहरिया, तहसीलदार, सीएमओ शिवरीनारायण संध्या वर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

खास-खबर

रायपुर में डकैती की बड़ी घटना, परिवार को बंधक बनाकर 10 लाख से अधिक के जेवर लूटकर भागे डकैत

रायपुर। राजधानी रायपुर के टिकरापारा इलाके में बड़ी डकैती की खबर आ रही है। खबरों के अनुसार देर रात राजधानी के साईं वाटिका कालोनी में एक दवा कारोबारी और उसके परिवार को बंधक बनाकर डकैतों ने घटना को अंजाम दिया। डकैत 10 लाख से अधिक के जेवर लूटकर भाग गए। घटना की जानकारी सुबह होने पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस के आला अधिकारी मामले की पड़ताल में जुटे हैं। जानकारी के अनुसार दवा कारोबारी दिनेश कुमार साहू रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र के देवपुरी साईं वाटिका कॉलोनी में अपने पत्नी और एक बेटे के साथ रहते हैं। रविवार देररात तीन बजे के आसपास दवा कारोबारी के मकान में अज्ञात 6 से 7 की संख्या में डकैत घुस आए। इसके बाद दवा कारोबारी दिनेश साहू और उसकी पत्नी को बंधक बनाकर घर के आभूषण और नगद रकम ले भागे। पीड़ित परिवार ने सुबह टिकरापारा थाना में इस घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही तत्काल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर प्रशांत अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राइम अभिषेक माहेश्वरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर पश्चिम आकाश राव गिरिपुंजे समेत थाना प्रभारी व समस्त अधिकारी घटनास्थल पहुंचे। पुलिस इस घटना की जांच में जुट गई है। पुलिस ने डकैती की घटना में सुराग तलाशन डाग स्क्वाड और फिंगर प्रिंट एक्स्पर्ट को भी बुलाया है। बताया जा रहा है कि चोरी की गई सामग्री में नए-पुराने जेवर और कुछ नगद रकम है। पुलिस इस मामले में पीड़ित परिवार से पूछताछ कर रही है। पीड़ित दिनेश कुमार साहू मेडिकल सामानों का सप्लायर है। पीड़ित के परिवार में पत्नी और एक बेटा हैं।

नौकरी लगाने का झांसा देकर युवक से 1.61 लाख ठगे

बालोद (ए)। इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ग्राम भेंगारी निवासी 26 वर्षीय सदानंद कुमार से 1 लाख 61 हजार 50 रुपये की ठगी की मामला सामने आया है। रिया, विनोद कुमार, रोहित कुमार शर्मा के खिलाफ बालोद थाने में अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपित दूसरे राज्य के हैं। मोबाइल नंबर, बैंक अकाउंट व अन्य जानकारी के आधार पर लोकेशन ट्रेस किया जा रहा है। ठगी के शिकार कक्षा 12वीं तक पढ़ाई करने वाले सदानंद ने बालोद पुलिस को जानकारी दी है कि मोबाइल रोजगार एप के जरिए नौकरी की तलाश कर रहा था। इस दौरान इंडिगो एयरलाइंस से संबंधित विज्ञापन दिखा। जहां टिकट चेकर के पोस्ट में नौकरी लगाने तीन लोगों ने काल कर आश्वासन दिया और फोन के जरिए अपने आइडी में जरूरी चार्ज के नाम पर पैसा ट्रांसफर करने के लिए कहा। जिस पर 5-6 बार अलग-अलग समय में एक लाख 61 हजार 50 रुपये उन लोगों के फोन पे एप आइडी में ट्रांसफर किया, बावजूद नौकरी नहीं लगी। जब ठगी का अहसास हुआ तब तक काफी देरी हो चुकी थी।

28 मवेशियों को ले जा रहे थे महाराष्ट्र

बालोद पुलिस को देख ट्रक से कूदे मवेशी तस्कर, जवानों ने दौड़ाकर पकड़ा

बालोद (ए)। ट्रक से 28 मवेशियों की तस्करी कर रहे मोहम्मद अकबर खान तेलंगाना (39), मोहम्मद नदीम शामली उत्तरप्रदेश (23) और कमलेश गिरी (33) निवासी उतई, दुर्ग को बालोद पुलिस ने ग्राम झलमला चौक में होटल के सामने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपित मवेशियों को महाराष्ट्र ले जा रहे थे। बालोद थाने में तीनों आरोपितों के खिलाफपशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम और छग पशु परिरक्षण संशोधन अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। तीनों आरोपितों को जेल भेज दिया गया है।

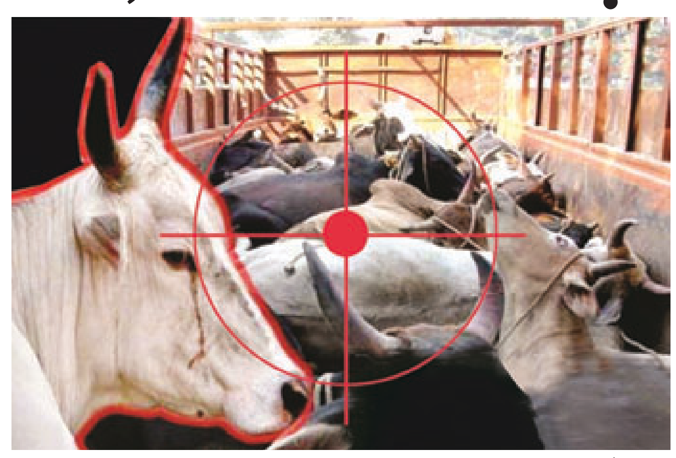

एएसआई पारख साहू ने बताया कि दो आरोपित पुलिस को देख ट्रक से कूदकर भाग रहे थे जिन्हें दौड़ाकर पकड़ा गया। एएसआई ने बताया कि एक अप्रैल की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि 10 चक्का ट्रक में अवैध रूप से मवेशियों को भरकर कुछ लोग झलमला बालोद होते हुए महाराष्ट्र ले जा रहे हैं। जिसके बाद नाकाबंदी कर जांच की गई।

ट्रक में सवार लोगों से पूछताछ करने पर बताया कि मवेशियों को कत्लखाना ले जा रहे थे। झलमला चौक के पास नाकाबंदी की गई तब ट्रक जमरूवा की ओर से आ रहा था। ट्रक चालक ने पुलिस स्टाफ को देखकर रोड किनारे ट्रक खड़ा किया जिसके बाद ट्रक से कूदकर दो लोग भागने लगे, जिसे स्टाफ ने दौड़ाकर पकड़ा।

केदारनाथ के लिए हेलीकाप्टर का टिकट बुकिंग के नाम पर ठगी, पीड़ित व्यवसायी ने साइबर सेल में की शिकायत

कांकेर (ए)। केदारनाथ के लिए हेलीकाप्टर का टिकट ऑनलाइन बुक करने पर एक होटल व्यवसायी ठगी का शिकार हो गया। उसने हिमालयन हेलीकाप्टर सर्विस की साइट पर बुकिंग के लिए क्लिक किया तो तत्काल दूसरी ओर से काल आया। फोन पर पूरी जानकारी लेने के बाद चार लोगों के लिए 23,600 रुपये की मांग की गई। रकम ट्रांसफर होने के बाद टिकट नहीं मिला और आरोपितों ने फोन स्वीच ऑफ कर दिया। पीड़ित ने छत्तीसगढ़ के कांकेर जिला पुलिस की साइबर सेल में शिकायत की है। शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

शहर के होटल व्यवसायी उदय प्रकाश शर्मा ने सोमवार को साइबर सेल में दी शिकायत में बताया कि वह सपरिवार मई में केदारनाथ की यात्रा पर जाने वाले थे। इसके लिए उन्होंने हवाई जहाज की टिकट पहले बुक करा ली थी। रूद्र प्रयाग से केदारनाथ तक की यात्रा पैदल करनी पड़ती है। उनके दो छोटे बच्चे हैं। उनको पैदल न चलना पड़े, इसलिए हेलीकाप्टर से यह दूरी तय करने का निर्णय लिया।

सोमवार को हेलीकाप्टर का टिकट बुक करने के लिए आनलाइन सर्च किया। इस दौरान हिमालयन हेलीकाप्टर सर्विस की साइट दिखाई दी। इसमें टिकट बुक करने का आप्शन दिखाई दिया। क्लिक करने पर तत्काल फोन आ गया, जिसमें उन्होंने पूरी जानकारी दी और चार लोगों के टिकट के लिए 23,600 रुपये आनलाइन भुगतान करने के लिए कहा गया।

उन्होंने उक्त राशि आनलाइन ट्रांसफर कर दिया गया। भुगतान होने के बाद भी उन्हें टिकट प्राप्त नहीं हुआ तो उक्त मोबाइल नंबर पर काल किया, लेकिन नंबर बंद कर दिया गया था। उन्हें संदेह हुआ कि वह ठगी का शिकार हो गए हैं। उन्होंने तत्काल उक्त नंबर को गूगल पर सर्च किया तो कई लोगों ने कमेंट किया था कि उक्त नंबर से ठगी की जा रही है।

8वीं के स्टूडेंट ने रेत दिया छात्रा का गला

लंच टाइम में स्कूल से बाहर आई तो 2 साथियों के साथ मिलकर मारी ब्लेड और भाग गया, हालत गंभीर

कोरबा (ए)। कोरबा में 8वीं में पढ़ने वाले छात्र ने उसकी ही क्लास की छात्रा पर ब्लेड से हमला कर दिया, जिससे छात्रा गंभीर घायल हो गई है। बताया जा रहा है कि छात्रा लंच टाइम में स्कूल से बाहर आई थी। इसी दौरान छात्र अपने दो साथियों के साथ बाइक से स्कूल के बाहर आया और उसने ब्लेड से लड़की का गला रेत दिया और भाग गया। मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। ये पूरी घटना फरसवानी गांव के सरकारी स्कूल के बाहर की है। इसी स्कूल में आरोपी पढ़ता है। पता चला है कि आरोपी लड़का रविवार रात को छात्रा के घर में चोरी करने घुसा था। उसी दौरान लड़की ने उसे देख लिया था। इसी के चलते उसने लड़की पर हमला किया है। आरोपी ने दोपहर डेढ़ बजे के आस-पास पूरी वारदात को अंजाम दिया। इस स्कूल में दोपहर के वक्त लंच का समय होता है। इसी दौरान लड़का बाइक से अपने 2 साथियों के साथ मौके पर गया था। उसने देखा की लड़की स्कूल कैंपस के बाहर खड़ी है। यही देखकर उसने लड़की पर हमला कर दिया था। घटना के बाद आसपास के छात्रों ने स्कूल टीचर्स को इस बात की जानकारी दी थी।

मुख्य आरोपी फरार, 2 हिरासत में

इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी के 2 साथियों को हिरासत में लिया गया है। जबकि मुख्य आरोपी फरार है। जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 307 के तहत केस दर्ज किया है। वहीं घटना के बाद पीड़ित लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसका उपचार किया जा रहा है। लड़की के गले से काफी खून बह चुका है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत, शराब के नशे में देर शाम नहाने के लिए उतरा था

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में सोमवार शाम युवक तालाब में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिसकर्मियों ने नगरसेना के आपदा प्रबंधन टीम की मदद से टार्च की रोशनी में उसकी तलाश की गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद रात के अंधेरे में युवक के शव को ढूंढकर बाहर निकाला। युवक शराब के नशे में नहाने के लिए तालाब में उतरा। फिर गहराई में चला गया। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार चिंगराजपारा में रहने वाला अजय श्रीवास उर्फ विक्की (22) रोजी-मजदूरी करता था। सोमवार शाम वह बहतराई स्थित तालाब में नहाने के लिए गया था। बताया जा रहा है कि वह नहाने के लिए कपड़े उतार कर पानी में उतरा। इस बीच वह गहराई में चला गया।

आईपीएल सट्टा खेला रहे पांच गिरफ्तार 16,900 नकदी सहित 16 लाख की संपत्ति जब्त

कांकेर। आईपीएल क्रिकेट मैच पर चल रहे सट्टे पर कोतवाली पुलिस व साइबर सेल ने बड़ी कार्रवाई की है। क्रिकेट मैच पर हार-जीत का दांव लगवाकर सट्टा खेला रहे पांच सटोरियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 16,900 रुपए नकद, सात मोबाइल फोन और घूमघूम कर सट्टा का कारोबार करने में प्रयुक्त की जा रही होंडा कार सहित कुल 16 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है।

थाना प्रभारी शरद दुबे ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अक्षय असरानी मांझापारा में साईं कृपा डेली नीड्स दुकान के सामने में बैठकर लोगों को अधिक पैसा मिलने का लालच देकर आईपीएल मैच में सटटा खेला रहा है। सूचना पर पुलिस थाना कांकेर की टीम मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। पुलिस को मौके पर आरोपित अक्षय असरानी (21) निवासी माझापारा कांकेर मिला, जिससे पूछताछ करने पर ऑनलाइन एप और ऑनलाइन आइडी के माध्यम से आइपीएल मैचों में हार-जीत का दाव लगाकर सट्टा खेलाना स्वीकार किया।

आरोपित अक्षय असरानी ने पुलिस को बताया कि आइपीएल सटटा के लिए मनीष असरानी निवासी माझापारा कांकेर और नितिन वर्त्यानी निवासी धमतरी द्वारा उसे ऑनलाइन आइडी उपलब्ध कराई गई है, जिस पर वाटसअप माध्यम से लोगों से पैसे का लेन-देन कर दाव लगाता है। साथ ही मनीष असरानी व

नितिन वर्त्यानी द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न् बैंक खाता नंबरों में लोगों से प्राप्त दाव में लगाए गए रुपये को भेजा करता है। जो लोग नकदी लेनदेन करते हैं, उससे प्राप्त रकम को कैश डिपाजिट मशीन के माध्यम से खाते में डाल दिया करता है।

पुलिस ने अक्षय असरानी के कब्जे से 10 हजार नकद, दो मोबाइल फोन बरामद किया। जिसमें आनलाइन आईपीएल आइडी होना पाया गया और व्हाट्सएप में विभिन्ना लोगों से आइपीएल सट्टा का लेनदेन होने की पुष्टि हुई। साथ ही फोन पे, गूगल पे के माध्यम से पैसों का ट्रांसफर होना भी पाया गया। जिसे जब्त कर पुलिस ने आरोपित अक्षय असरानी, मनीष असरानी, नितिन वर्त्यानी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया और आरोपित अक्षय असरानी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

कार में घूम-घूमकर सट्टा खेला रहा था खाईवाल

पुलिस की पकड़ से बचने के लिए आरोपित सट्टा खाइवाल मनीष आसरानी कार में घूम-घूमकर आईपीएल सट्टा खेला रहा था। थाना प्रभारी शरद दुबे ने बताया कि आरोपित मनीष असरानी की पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि मनीष असरानी काले रंग की होंडा डब्ल्यूआरवी कार में कांकेर के आसपास घूम घूम कर आईपीएल सट्टा का अवैध कारोबार कर रहा है। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया और मनीष असरानी के कब्जे से पांच हजार नकद, दो मोबाइल फोन बरामद हुआ। ऑनलाइन एप और ऑनलाइन आइडी के माध्यम से आईपीएल सट्टा का 50 लाख से अधिक का ट्रांजैक्शन होना पाया गया। आरोपित के कब्जे से नकदी रकम, मोबाइल फोन व कार को जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरे खाईवाल नितिन वर्त्यानी निवासी धमतरी की पतासाजी और गिरफ्तारी के लिए कांकेर से पुलिस टीम रवाना हो गई है।

बिलासपुर में युवक की हत्याः पुराने आरटीओ कार्यालय के पास मिला शव

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में युवक की दो दिन पुरानी लाश संदिग्ध हालत में मिली है। उसके चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। ऐसे में उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। शव पुराना होने के कारण उसमें चींटियां लग गई थी। घटना तारबाहर क्षेत्र की है।

टीआई शीतल सिदार ने बताया कि सोमवार शाम सूचना मिली कि व्यापार विहार स्थित पुराने आरटीओ कार्यालय के पास युवक की लाश संदिग्ध हालत में पड़ी है। मौके पर पहुंचे तो शव औंधे मुंह पड़ा था। पुलिस ने पलटा कर देखा, तब उसके शरीर और चेहरे में चींटियां चढ़ गई थी। शव से बदबू भी आने लगी थी। ऐसे में माना जा रहा है कि लाश दो दिन पुरानी है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। युवक के चेहरे में चोट के निशान मिले हैं। माना जा रहा है कि खून निकलने और लाश पुरानी होने के कारण ही उसमें चींटिंयां चढ़ गई थी। पुलिस प्रथम दृष्ट्या इसे संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। टीआई शीतल सिदार का कहना है कि पोस्टमार्टम कराने और उसका रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

युवक की हुई पहचान, जानकारी जुटा रही पुलिस

पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की पहचान कार्रवाई कराई, तब उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई। बाद में कुछ लोगों ने बताया कि मृतक युवक को लोग नाम कल्लू नाम से जानते थे और वह आसपास की दुकानों में काम करता था। पुलिस व्यापारियों से पूछताछ कर युवक के परिजनों की जानकारी जुटा रही है। फ्लिहाल शव को मॉर्च्युरी में शिफ?ट करा दिया गया है।

खास - खबर

बार एवं रॉड मिल के कार्मिक शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मिल्स जोन-1 के अन्तर्गत बार एवं रॉड मिल विभाग में दिनांक 02 अप्रेल, 2022 को कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम) मुकेश कुमार गुप्ता ने अपने उद्बोधन में पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि आपने मेहनत और लगन से काम किया है। उन्होंने कहा कि कार्य के दौरान सभी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने व संसाधनों का उच्चतम उपयोग करते हुए बेहतर प्रतिफल प्राप्त करने होंगे। इस समारोह में माह अगस्त-2021 के लिए सैय्यद फैज अहमद, मास्टर ओसीटी, सितम्बर-2021 के लिए माधव कृष्णा, ओसीटी, अक्टूबर-2021 के लिए एम नू, एसीटी एवं नवम्बर-2021 के लिए श्रवण कुमार पाण्डेय, ओसीटी को कर्म शिरोमणि पुरस्कार तथा माह अक्टूबर से दिसम्बर-2021 तिमाही के लिए बीआरएम के प्रबंधक, राजुल कुमार पाण्डेय को पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्मिकों के बीच स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग एवं संगठनात्मक उद्देश्यों को पूर्ण करने के साथ-साथ सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए विभाग में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले कर्मठ कर्मचारियों को सम्मानित करना है।

विकलांग को मिलेगी बैटरी चलित साईकल

दुर्ग। कलेक्टर जनदर्शन में कुल 55 आवेदन आए थे। जिसका कलेक्टर ने संज्ञान लिया और निराकरण किया। एक विकलांग आवेदक कलेक्टर के समक्ष आवेदन लेकर पहुंचा था, जिसमें उसने बताया कि वह जन्म से ही विकलांग है। जिसके चलते उसे अपने सामान्य जीवन का निर्वाह करने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रोजगार खोजने पर भी उसे रोजगार प्राप्त नहीं हो रहा है, जिससे उसके सामने रोजी-रोटी की समस्या पैदा हो रही है। इसलिए उसने शासकीय योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभ के लिए कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत समाज कल्याण विभाग के संबंधित अधिकारी से आवेदक को योजनांतर्गत बैटरी चलित सायकल मुहैया कराने के निर्देश दिया।

महंगाई मुक्त भारत अभियान में केंद्र पर जमकर बरसे विधायक

जनहितैषी नीतियों के साथ देश चलाना भाजपा के बस में नहीं: अरूण वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी के आह्वान पर शुरू किए गए महंगाई मुक्त भारत के चरणबद्ध आंदोलन के द्वितीय चरण में दुर्ग शहरी क्षेत्र में किए गए एक दिवसीय धरना प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस विधायक व राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा केंद्र सरकार पर जमकर बरसे।

उन्होंने सीधे सीधे हमला करते हुए कहा कि 10 साल तक लोगों ने जनकल्याण की नीतियों से भरा हुआ यूपीए का कार्यकाल देखा है अब पेट्रोल 65 से 105 पर और डीजल 60 से सौ के पार पहुंच चुका है। 380 रु में मिलने वाले घरेलू गैस की कीमत हर एक नागरिक के सामने है। खाद्य तेल की कीमत तीन गुनी हो चुकी है। सिर्फ कुछ बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार आम जनता की अनदेखी कर रही है। जनहितैषी नीतियों के साथ सरकार चलाना भाजपा की केंद्र सरकार के बस में नहीं है। आत्मनिर्भर भारत से लेकर मेक इन इंडिया तक और प्रतिवर्ष 2 करोड़ रोजगार से लेकर खातों में 15 लाख रु तक के जुमले जनता ने भली भांति समझ लिया है। पोस्टर, बैनर एवं प्रचार तंत्र से सरकार चलाई जा रही है। पेट्रोल डीजल, घरेलू गैस, खाद्य तेल समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। कमर तोड़ महंगाई से मध्यम वर्ग का जीना मुहाल हो गया है। राष्ट्रवाद एवं धर्म जैसी पवित्र संकल्पना का चुनावी उपयोग किया जा रहा है। अब माननीया सोनिया जी एवं राहुल जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी जनता के हित के लिए बढ़ती महंगाई के खिलाफ आर पार की लड़ाई लड़ेगी। माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने भी स्पष्ट संदेश देते हुए कहा है कि कांग्रेस अब रुकने झुकने वाली नहीं है। मोदी सरकार की नाकामियों एवं विफल आर्थिक प्रबंधन को जनता के बीच पहुंचाया जाएगा । उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास मॉडल की तारीफ करते हुए एक बार फिर केंद्र सरकार को भूपेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से सीख लेने की नसीहत दी। इस दौरान महापौर धीरज बाकलीवाल, शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गया पटेल, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र साहू, ब्लॉक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, महीप सिंह भुआल, राजकुमार साहू, जयश्री जोशी, अब्दुल गनी, जमुना साहू, कन्या ढीमर, संदीप वोरा, आयुष शर्मा, गौरव उमरे, अमोल जैन, मोहित वलदे, सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

दो दिन शटडाउन से जुड़े टंकी में टेस्टिंग पानी भरने का काम हुआ शुरू जल्दी ही इससे सप्लाई होगा पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने डाटा सेंटर कॉन्फ्रेंस हॉल में पेयजल के लिए महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने अधिकारी जो पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने मैदानी स्तर पर है उनकी बैठक लेकर उन्हें निर्देशित किया। निगमायुक्त हरेश मंडावी ने पेयजल व्यवस्था वार्डों में सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को वाटर सप्लाई की समस्या को 24 घंटे में निपटाने के स्ट्रिक्ट निर्देश ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए दिए। निगम आयुक्त श्री मंडावी ने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था पेयजल को लेकर ना हो इसलिए वाटर सप्लाई के लिए कन्ट्रोल रूम हेल्पलाइन नंबर 07882210838 निगम में बनाया गया है जिसमे 24 घंटे 3 शिप्टो में ड्यूटी लगाई गई है। किसी भी प्रकार की पेयजल की समस्या के लिए उपरोक्त नंबर से संपर्क कर शिकायतें दर्ज कराई जा सकती है।आयुक्त हरेश मंडावी लगातार अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की मानिटरिंग कर रहे हैं और फील्ड पर जाकर कार्यों को देख रहे हैं।

ऐसे इलाके जिनमें पानी की समस्या थी उन इलाकों में बेहतर समस्याओं का समाधान किया गया है। पाइपलाइन एवं इंटरकनेक्शन का कार्य भी ऐसे स्थानों पर किया गया है जहां पानी की समस्या थी। पेयजल के लिए गए बैठक में आयुक्त ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए आवश्यक संसाधनों के साथ फील्ड पर अलर्ट रहना जरूरी है।

निगम क्षेत्रों में 1 घंटे विद्युत प्रवाह रहेगा बंद, समान रूप से घरों में मिलेगा पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में नेहरू नगर, खम्हरिया, कोहका, कुरूद, फरीदनगर, कोहका, वैशालीनगर, हाउसिंग बोर्ड, मदर टेरेसा नगर, चंद्रा मौर्या क्षेत्र में जलप्रदाय के वक्त ही टूल्लूपंप से कई लोगो के द्वारा पानी खींच लिया जाता है। जिसके कारण अंतिम छोर तक पानी पहुंचने में दिक्कत होती है। जल प्रदाय के समय विद्युत अवरोध होने पर टूल्लू पंप का रोल समाप्त हो जायेगा, अंतिम छोर तक पानी पहुंचने लगेगा। बता दें कि विगत 2 महीनों से टूल्लू पंप का उपयोग कर पानी खींचने वालों को समझाइश देकर अपील की जा रही थी। इन प्रयासों के बाद निगम क्षेत्र के सभी घरों में पानी पहुंचाने के लिए अंतिम विकल्प के रूप में विद्युत अवरोध करने कलेक्टर महोदय को अवगत कराते हुए, विद्युत विभाग को पत्र जारी करने अनुरोध किया गया। विद्युत विभाग ने भिलाई निगम क्षेत्र में तथा रिसाली निगम क्षेत्र में प्रतिदिन सुबह 1 घंटे विद्युत अवरुद्ध करने अपनी सहमति प्रदान कर दी है। भिलाई निगम क्षेत्र में सुबह 6:30 बजे से 7:30 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा। महापौर नीरज पाल ने कहा कि नागरिकों को विद्युत अवरुद्ध होने से असुविधा तो होगी जिसके लिए उन्होंने खेद भी व्यक्त किया है परंतु उन्होंने कहा कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल संकट न हो तथा समान रूप से सभी घरों में पानी पहुंचे इस उद्देश्य से विद्युत अवरुद्ध करना आवश्यक भी है। उल्लेखनीय है कि जल प्रदाय करने के समय ही अधिकतर लोगो के द्वारा टूल्लू पंप लगाकर पानी खींच लिया जाता है, वितरण पाइप लाइन से पानी खींचने के कारण पाइप लाइन के पहले वाले क्षेत्रों में पानी प्रेशर के साथ टूल्लू पंप के कारण मिल जाता है।

चेतावनी का असर नहीं, 2000 वसूला जुर्माना, ठेले और खोमचे से 5 किलो प्रतिबंधित कैरीबैग जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के आयुक्त आशीष देवांगन के निर्देश पर कर्मचारी एक बार फिर अभियान चला रहे है। प्लास्टिक के थैले में सामान सब्जी, फल, चाय नास्ता देने पर 15 लोगों से 2 हजार जुर्माना वसूला गया। इनमें गुमटी व ठेले में चाय-नास्ता, सब्जी बेचने वाले शामिल है।

प्लास्टिक की थैले व डिस्पोजल की उपयोगिता पर शासन ने पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया है। रिसाली क्षेत्र में भी प्लास्टिक पर बैन लगाया है। कैरीबैग उपयोग में न लाए जाने दुकानदारों को चेतावनी दी गई है।

इसके बाद भी फुटकर व्यापारी प्लास्टिक से बने कैरी बैग का उपयोग कर रहे है। सड़कों व सार्वजनिक क्षेत्रों में कैरीबैग, वन टाइम यूज प्लास्टिक अधिक नजर आने पर आयुक्त के निर्देश पर राजस्व अधिकारी संजय वर्मा के नेतृत्व में टीम डीपीएस चैक रिसाली से कृष्णा टॉकिज रोड और कल्याणी मंदिर से आजाद मार्केट चैक तक सड़क किनारे ठेले व गुमटी की जांच कर जुर्माना वसूला।

5 किलो कैरीबैग जब्त

अधिकारियों ने प्रतिबंधित कैरीबैग मिलने पर उसे जब्त बनाते जुर्माना वसूला । राजस्व विभाग के संजय वर्मा ने बताया कि लगभग 15 किलो कैरी बैग जब्त किया गया। साथ ही अंतिम चेतावनी देते हुए कहा गया कि दोबारा कैरीबैग मिलने पर सामान जब्ती व अर्थदण्ड वसूली दोनो एक साथ की जाएगी।

घर बैठे प्राप्त करें 1 रुपए शुल्क के साथ एक सेकंड में भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र, निगम दफ्तर आने की आवश्यकता नही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए निगम दफ्तर आने की आवश्यकता नहीं है घर बैठे ही ऑनलाइन भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है और वह भी महज 1 सेकंड में 1 रुपए शुल्क के साथ। ऐसे हितग्राही जो भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाह रहे हैं वह सीधे निगम के पंजीकृत वास्तुविद के माध्यम से समस्त आवश्यक दस्तावेज के साथ www.bpms.sudacg.in में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। दस्तावेज की प्रविष्टि भी ऑनलाइन करनी होगी। भवन मानचित्र का परीक्षण मानव हस्तक्षेप रहित सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाएगा। प्राप्त आवेदनों पर विभाग के द्वारा आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण कर समस्त दस्तावेज सही पाए जाने पर 14 दिवस के भीतर आवासीय भवन निर्माण अनुज्ञा हेतु नियम अनुसार राशि की गणना कर ऑनलाइन डिमांड नोट आवेदक को जारी किया जाएगा जिसे वह दिए गए वेबसाइट पर सिटीजन पे के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर तुरंत रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अब तक 176 आवेदकों को भवन अनुज्ञा प्रणाली के माध्यम से भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है। प्रत्यक्ष भवन अनुज्ञा प्रणाली के प्रारंभ होने से निगम दफ्तरों के अनावश्यक चक्कर काटने एवं भटकने से छुटकारा मिल रहा है। वहीं जहां भवन अनुज्ञा के लिए आवेदन करने के बाद पहले उप अभियंता, सहायक अभियंता कार्यपालन अभियंता, जोन आयुक्त एवं भवन अनुज्ञा अधिकारी से होकर प्रकिया गुजरती थी, वह प्रक्रिया अब समाप्त हो गई है और सीधे भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र ऑनलाइन के माध्यम से मिल रहा है। इस प्रणाली की खास बात यह है की इस योजना से पारदर्शिता भी बनी रहेगी वहीं गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार के लिए यह और अधिक लाभदायक साबित होगा। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने इस योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

15 लोगों का पदोन्नति आदेश जारी, महापौर ने दी बधाई

हस्तांतरण के तहत रिसाली आने वाले 50 प्रतिशत कर्मचारी पदोन्नत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नवगठित नगर पालिक निगम रिसाली आयुक्त आशिष देवांगन ने सोमवार को 15 लोगों की पदोन्नति सूची जारी किया। विभागीय प्रक्रिया के बाद महापौर शशि सिन्हा व सामान्य प्रशासन विभाग प्रभारी चन्द्रभान सिंह ठाकुर ने कर्मचारियों को आदेश की प्रति देते हुए बेहतर कार्य करने कहा। बहुप्रतिक्षीत पदोन्नति आदेश जारी होने से कर्मचारियों में हर्ष है।

उल्लेखनीय है कि रिसाली निगम गठन के बाद पिछले एक वर्ष से पदोन्नति आदेश अटका पड़ा था। कर्मचारियों की मांग पर आयुक्त ने इसके लिए कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर की अध्यक्षता में कमेटी गठित की थी। कमेटी की अनुशंसा के बाद आयुक्त ने शुक्रवार को पदोन्नति सूची पर मुहर लगाते हस्ताक्षर किया था। महापौर कक्ष में आदेश वितरण करते समय एमआईसी सदस्य गोविन्द चतुर्वेदी, अनूप डे, कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर, अधीक्षक देवव्रत देवांगन आदि उपस्थित थे।

भृत्य से बने लिपिक

15 लोगों की सूची में 2 कर्मचारी भृत्य है। एक को सहायक ग्रेड 3 बनाया गया है। वहीं चतुर्थ वर्ग कर्मचारी देवेश कुमार का विभागीय जांच चल रहा है। यही वजह है कि आयुक्त आशीष देवांगन ने सूची से देवेश का नाम पृथक कर प्रकरण को लिफाफे में रखने कहा। खास बात यह है कि निगम गठन के बाद भिलाई से हस्तांतरण के तहत कुल 34 अधिकारी कर्मचारी आए थे। जिसमें से 16 लोग पदोन्नत हो चुके है।

पवन कुमार मिश्रा - स्वच्छता निरीक्षक से वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक, विनय शर्मा - स्वच्छता पर्यवेक्षक से स्वच्छता निरीक्षक, चन्द्रपाल हरमुख - स्वच्छता पर्यवेक्षक से स्वच्छता निरीक्षक, कमलेश साहू - स्वच्छता पर्यवेक्षक से स्वच्छता निरीक्षक, किरण वर्मा - लेखापाल से सहायक ग्रेड 1, मंगल प्रसाद कुर्रे - राजस्व उप निरीक्षक से राजस्व निरीक्षक, अश्वनी देशमुख - राजस्व उप निरीक्षक से राजस्व निरीक्षक, किशोर रामटेके - सहा. राजस्व निरीक्षक से राजस्व उप निरीक्षक, विवेक रंगनाथ - सहा. राजस्व निरीक्षक से राजस्व उप निरीक्षक, छगनलाल साहू - सहा. राजस्व निरीक्षक से राजस्व उप निरीक्षक, टिकेन्द्र वर्मा - सहा. राजस्व निरीक्षक से राजस्व उप निरीक्षक, अमित कुमार दास - सहायक ग्रेड 3 से सहायक ग्रेड 2, संतोष कुमार तिवारी - सहायक ग्रेड 3 से सहायक ग्रेड 2, राजेश कुमार गजेन्द्र - सहायक ग्रेड 3 से सहायक ग्रेड 2, खिलेश कुमार दास - भृत्य से सहायक ग्रेड 3 बनाए गए है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950